RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 29 डिग्री
न्युनतम तापमान 15 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 28 डिग्री
न्युनतम तापमान 15 डिग्री

गुरुवार 06 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :35 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 32 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भारत की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लुप्त

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 020 | गाजियाबाद, गुरुवार 06 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

25 लाख वोटों की गड़बडी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

नयी दिल्ली, 05 नवंबर (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि देश में किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र नहीं, राज्य श्तर पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय श्तर पर वोटों की हेराफेरी हो रही है। इसी क्रम में हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख वोटों में गड़बड़ी की गयी है।

श्री गांधी ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह जिस प्रमाण के साथ वोट चोरी का विवरण दे रहे हैं उससे साफ होता है कि हरियाणा में चुनाव नहीं हुए, बल्कि 100 फीसदी प्रमाणों से साबित होता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा तथा चुनाव आयोग ने मिलकर लोकतंत्र को ध्वश्त किया है। हरियाणा में वोटों की चोरी कर वहां भाजपा की सरकार बनाई है।

उनका कहना था कि वोट चोरी का यह काम बहुत गहरी साजिश और रणनीति के तहत किया गया है। इसके पुख्ता प्रमाण हैं कि पूरे राज्य में कैसे वोटों को चुराया गया है। उम्मीदवारों से हरियाणा में बहुत सारी शिकायतें उन्हें मिलती रहीं हैं और कई उम्मीदवारों ने अनियमितताओं की सूचना भी उस समय दी थी। इसी तरह से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में मतदान हुआ है। इन सब राज्यों में भाजपा ने व्यवस्थित तरीके से वोट चोरी का काम करवा कर मतदान कराया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जिस तरह के प्रमाण कांग्रेस ने फर्जी वोटरों को लेकर जुटाए हैं उससे साफ हो गया है कि हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में मुख्यमंत्री लोकतांत्रिक तरीके से नहीं बने हैं। वोट चोरी करके उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है। इन सब राज्यों में कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की योजना एक सो ची स मझी रणनीति के तहत बनी थी।

उन्होंने क हा 'आश्चर्य की बात है कि एग्जिट पोल में हरियाणा में कांग्रेस की जीत की बात हो रही थी। एग्जिट पोल काफी सटीक होते हैं। हरियाणा के चुनावी इतिहास में पहली बार, डाक मत वाश्तविक मतदान से भिन्न थे और राज्य के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। हमने सोचा कि चलो विवरण में चलते हैं। जब मैंने पहली बार यह विवरण देखा तो मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा था और मैं सदमे में था इसलिए मैंने विवरण तैयार कर रही अपनी टीम से कई बार क्रॉस-चेक करने के लिए कहा।'

श्री गांधी ने हरियाणा में एक महिला का जिक्र किया और दावा किया कि यह महिला ब्राजील की है और वह एक मॉडल है जिसका नाम हरियाणा की मतदाता सूची में है। उसके नाम से बनाये गये फर्जी वोटर कार्ड पर दस बूथों पर 22 बार वोट डाले गये हैं। इसका मतलब है कि यह काम केंद्रीय श्तर पर हो रहा है इसलिए ब्राजील की महिला के नाम पर एक नहीं बल्कि 22 बार वोट डाले गये हैं। इस तरह हरियाणा में 25 लाख फर्जी वोट डाले गये।

दूसरे बच्चे के लिए सरोगेसी कानून की जांच करेगा कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट इस बात की जांच करने के लिए सहमत हो गया कि क्या विवाहित जोड़ों को दूसरे बच्चे के लिए सरोगेसी का उपयोग करने से रोकने वाले कानून राज्य द्वारा नागरिकों के प्रजनन अधिकारों में दखल है।

यह मामला ऐसे दंपत्तियों के लिए है जो पहले बच्चा होने के बाद दोबारा संतान प्राप्त करने से असमर्थ है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने द्वितीयक बांझपन का सामना कर रहे एक दंपत्ति की ओर से पेश वकील की दलील पर संज्ञान लिया। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने मौखिक रूप से कहा कि देश की बढ़ती आबादी देखते हुए इस प्रावधान के तहत लगाया गया प्रतिबंध 'उचित' था।

वकील ने तर्क दिया कि सरकार नागरिकों के निजी जीवन और प्रजनन संबंधी विकल्पों में हश्तक्षेप नहीं कर सकती। उन्होंने दलील दी कि सहायक प्रजनन तकनीक अधिनियम और सरोगेसी अधिनियम, दोनों में सरोगेसी के संदर्भ में 'बांझपन' की परिभाषा केवल प्राथमिक बांझपन तक ही सीमित नहीं है। कोई भी इच्छुक दंपत्ति, जिसका जैविक रूप से, गोद लेने के माध्यम से या पहले सरोगेसी के माध्यम से कोई जीवित बच्चा हो, दूसरे बच्चे के लिए सरोगेसी प्रक्रियाओं का लाभ नहीं उठा सकता।

एसएयू प्रोफेसर मामले में सार्क से हस्तक्षेप की मांग

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। नई दिल्ली स्थित दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (एसएयू) के एक एसोसिएट प्रोफेसर की बर्खाश्तगी का मामला वैश्विक श्तर पर पहुंच गया है। मामले को लेकर दुनिया भर के 3 सौ से अधिक बुद्धिजीवियों ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के महासचिव से हश्तक्षेप की मांग की। सार्क महासचिव राजदूत मोहम्मद गुलाम सरवर को लिखे पत्र में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक स्वतंत्रता और उचित प्रक्रिया के उल्लंघन पर चिंता व्यक्त की गई है। एसएयू से अर्थशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्नेहाशीष भट्टाचार्य को 11 सितंबर को बर्खाश्त कर दिया गया था। एसएयू की स्थापना सार्क के तहत हुई है।

श्रीलंकाई के नेता प्रतिपक्ष से मिले जयशंकर

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को नई दिल्ली में श्रीलंकाई के नेता प्रतिपक्ष सजीथ प्रेमदासा से मिले। इस दौरान उन्होंने 'नेवरहुड फर्स्ट' नीति का हवाला देते हुए श्रीलंका के विकास में सहयोग देने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के बाद 'एक्स' पोस्ट में एस जयशंकर ने जानकारी दी। इससे पहले सजीथ प्रेमदासा ने भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा कार्यक्रम में लंबे समय से चले आ रहे मछुआरों के मुद्दे समेत अन्य द्विपक्षीय पहलुओं पर चर्चा की।

मुंबई : मोनोरेल ट्रेन परीक्षण के दौरान क्षतिग्रस्त

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। मुंबई के वडाला डिपो में बुधवार सुबह परीक्षण के दौरान एक मोनोरेल ट्रेन का एक डिब्बा बीम से टकराने के बाद क्षतिग्रश्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान ट्रेन के अंदर कोई यात्री नहीं था। चालक दल के दो सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। दुर्घटना सुबह नौ बजे हुई। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, चालक दल के एक सदस्य के माथे पर हल्की चोट आई है। महा मुंबई मेट्रो रेल ऑपरेशंस (एमएमएम ओपीएल) ने बताया कि दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर साझा तस्वीरों और वीडियो में ट्रेन झुकी हुई दिखाई दे रही है। एमएमएमओपीएल ने मेधा एसएमएच रेल प्राइवेट लिमिटेड से 55 करोड़ रुपये प्रति कोच की दर से चार-कोच वाली 10 मोनोरेल ट्रेन खरीदी हैं।

एसआईआर : पश्चिम बंगाल में एक और आत्महत्या

✷ **वेबवार्ता. दक्षिण 24 परगना** ✷। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में बुधवार को एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसके परिवार का दावा है कि वह मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सूची से नाम कटने से डर रहा था। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि एसआईआर के डर से राज्य में यह आठवीं ऐसी घटना है। मृतक की पहचान सफीकुल गाजी के रूप में हुई है। वह उत्तर 24 परगना के घुसिघाटा का निवासी था और पिछले कुछ महीनों से भांगड़ के जयपुर इलाके में अपने ससुराल में रह रहा था। परिवार के सदस्यों के अनुसार, गाजी कुछ महीने पहले एक दुर्घटना में घायल हो गया था। तब से वह मानसिक रूप से परेशान था। इसी बीच राज्य में एसआईआर शुरू होने के बाद से वह काफी चिंतित हो गया था, क्योंकि उसके पास कोई वैध पहचान पत्र नहीं था।

आदित्य ठाकरे ने राहुल गांधी का समर्थन किया

✷ **वेबवार्ता. मुंबई** ✷। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों का समर्थन किया। राहुल ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी कर चुनाव आयोग ने भाजपा को राज्यों में जिताने में मदद की।

तूफान मेलिसा के कारण 30 लोगों की मौत, 15 लाख प्रभावित - US

✷ वेबवार्ता. संयुक्त राष्ट्र ✷

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि जमैका और आसपास के इलाकों में आए भीषण चक्रवाती तूफान मेलिसा ने भारी तबाही मचायी है और इसके कारण 30 लोगों की मौत हो गयी और 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि जमैका में सड़कें, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रश्त हो गई हैं। लगभग एक सौ तीस सड़कें अवरुद्ध हैं और कई क्षेत्रों में बिजली तथा मोबाइल नेटवर्क ठप पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है क्योंकि कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट या क्षतिग्रश्त हो गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम का अनुमान है कि जमैका में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों को खाद्य पदार्थों की सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। इसी के साथ संयुक्त राष्ट्र की आपदा मूल्यांकन और समन्वय टीम राहत कार्यों का संचालन कर रही है और जमैका सरकार के साथ मिलकर सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

हैती में भी स्थिति बेहद गंभीर है। तूफान ने कृषि और मछली पालन, दोनों क्षेत्रों को गहरी क्षति पहुंचाई है। खाद्य और कृषि संगठन के अनुसार राजमा, मक्का और फलों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। इसके अलावा मछली पकड़ने के ढांचे को भी नुकसान हुआ है जिससे देश में भुखमरी की समस्या और बढ़ने की आशंका है। पहले से ही हैती की आधी आबादी खाद्य असुरक्षा से जूझ रही है और अब यह तूफान उस संकट को और गहरा कर सकता है।

संयुक्त राष्ट्र और उसके साझेदार संगठन राहत और पुनर्वास के प्रयासों को तेज कर रहे हैं ताकि जरूरतमंद लोगों तक शीघ्र सहायता पहुंच सके।

पीएम ने विश्व चैम्पियन महिला टीम को किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

एकदिवसीय विश्वकप विजेता भारतीय महिला टीम ने बुधवार को आज यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

आज यहां भारतीय टीम प्रधानमंत्री आवास सात लोक कल्याण मार्ग पहुंची। भारतीय महिला क्रिकेट टीम सम्मान समारोह के लिए अपनी ऑफिशियल फॉर्मल ड्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर पहुंची और बहुत एलिगेंट लग रही थी। बीसीसीआई के लोगो वाले मैचिंग नेवी-ब्लू ब्लेजर और क्रीम ट्राउजर पहने हुए, खिलाड़ियों ने गर्व और प्रोफेशनलिज्म की एक शानदार तस्वीर पेश की। भारतीय टीम के साथ बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और कोच अमोल मजूमदार भी नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल होने वाली प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर दिखीं।

विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। मंगलवार को विशेष विमान से इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर पहुंची भारतीय टीम का भव्य स्वागत किया गया। भारतीय टीम ताज पैलेस होटल में रूकी है। खिलाड़ियों के होटल पहुंचने पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई। जेमिमा रौड्रिग्स, राधा यादव और स्नेह राणा होटल के भीतर ढोल की थाप पर थिरकती दिखीं। इससे पहले मुख्य कोच अमोल मजूमदार के साथ टीम के सदस्यों का मुंबई हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए जाते समय सेमीफाइनल मुकाबले में चोटिल हुई सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल भी व्हील चेयर पर टीम के साथ थी। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को उनके साथ साझा किया।

दो दिन पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से मुलाकात के लिए औपचारिक निमंत्रण मिला था।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले कुछ समय पहले पदक विजेता खिलाड़ियों से प्रतियोगिता से पहले और उसके बाद मिलते रहे है। भारतीय टीम ने रविवार को नवी मुंबई में महिला एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार चैंपियनशिप का खिताब जीता था और उसके बाद भारतीय टीम मंगलवार को दिल्ली पहुंची। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विजेता भारतीय टीम को 51 करोड़ रूपये का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय महिला टीम सराहना करते हुए लिखा था, 'आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा था। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बधाई। यह ऐतिहासिक जीत भविष्य के चैंपियन खिलाड़ियों को खेलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी।'

ईडी और आईबीबीआई ने ठगे गए घर खरीदारों, बैंकों को संपत्ति वापस दिलाने के लिए नए मानक बनाए

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि धन शोधन निरोधक कानून के तहत ईडी द्वारा कुर्क की गई दिवालिया कंपनियों और उनके प्रवर्तकों की संपत्तियां अब पीड़ित पक्षों जैसे बैंकों या घर खरीदारों को वापस कर दी जाएंगी।

इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया है। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने इस संबंध में चार नवंबर को एक परिपत्र जारी किया। यह कदम ईडी और आईबीबीआई के अधिकारियों के बीच हुई ''कई दौर'' की समन्वय बैठकों के बाद उठाया गया है।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अब से दिवाला पेशेवर विशेष धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष एक मानक शपथपत्र दाखिल करेंगे, ताकि ईडी द्वारा जब्त संपत्तियों को मुक्त कर प्रभावित पक्षों को लौटाया जा सके।

अब तक कई मामलों में दिवालिया कंपनियों की संपत्तियां पीएमएलए के तहत जब्त थीं, जिससे उन्हें दिवाला समाधान प्रक्रिया में उपयोग करना कठिन था। इसे ध्यान में रखते हुए ईडी और आईबीबीआई ने एक मानक तंत्र तैयार किया है, जिसके तहत जब्त संपत्तियों की बहाली की जा सकेगी।

ईडी के अनुसार, यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि बहाल की गई संपत्तियों का उपयोग केवल ऋणदाताओं के हित में हो, किसी भी स्थिति में आरोपी या प्रवर्तक को कोई लाभ न मिले और पूरी प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता व अनुपालन बना रहे।

ईडी ने कहा कि इस कदम से दिवाला समाधान प्रक्रिया में तेजी आएगी और अदालतों में लंबित कई मुकदमों का निपटारा भी सरल होगा।

भारत की स्थित ब्रिटिश राज जैसी : प्रियंका गांधी

वेबवार्ता. वाल्मीकि नगर (बिहार)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज देश की स्थिति ब्रिटिश राज जैसी हो गई है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में "वोट चोरी" के जरिए सरकार बनाना चाहता है।

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "यह वही भूमि है जहां से महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत की थी। आज की स्थिति देखकर लगता है कि देश फिर से उसी दिशा में जा रहा है। राजग सरकार ने बिहार में करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं, मतदाता सूची से हटा दिए हैं।" वाद्रा ने कहा, "बिहार में बेरोजगारी और पलायन चरम पर है। राज्य के युवा रोजगार की तलाश में बाहर जाने को मजबूर हैं। किसान बढ़ती लागत और कर के कारण खेती से पर्याप्त आय नहीं कमा पा रहे हैं।"

कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "राजग ने देश के सार्वजनिक उपक्रमों को बर्बाद कर दिया। सभी बड़ी फैक्टरियां, उद्योग और बंदरगाह मोदी जी के दो दोश्तों को सौंप दिए गए हैं। यहां तक कि बिहार की फैक्ट्रियों और ठेकों को भी गुजरात को दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

रचना मिस्त्री ने बताई एक आईपीएस ऑफिसर का किरदार निभाने के पीछे की हिम्मत और संयम की कहानी!

मुंबई, एजेंसी। ज़ी टीवी का शो जागृति - एक नई सुबह अपनी प्रेरणादायक और रोमांचक कहानी के चलते दर्शकों का दिल जीत रहा है। आने वाले एपिसोड्स में कहानी एक चौंकाने वाला मोड़ लेती है, जब जागृति (रचना मिस्त्री), जो एक निडर आईपीएस ऑफिसर है, जो अपने अधिकारों से महरूम चित्ता समुदाय से आती है, ऐसे कठिन हालात में फंस जाती है जहां उसे अपने ही देश की रक्षा के लिए अपनी मां गीता (तितिक्षा श्रीवास्तव) पर गोली चलानी पड़ती है। यह वो पल है जो उसके सच्चे रूप को परिभाषित करता है – जहां वो अपने सबसे गहरे रिश्ते से ऊपर उठकर देश और न्याय के प्रति अपना फर्ज निभाने का फैसला करती है।जागृति का किरदार निभाना रचना मिस्त्री के लिए एक गहरा और सीख देने वाला अनुभव रहा। इसने उन्हें यह एहसास कराया कि असली ताकत शोर मचाने में नहीं, बल्कि शांत रहकर सही फैसले लेने में होती है। इस किरदार ने उन्हें एक अधिकारी के जीवन के अनुशासन, सजगता और संयम को करीब से समझने का मौका दिया, जिससे वो इसे और सच्चाई के साथ निभा सकीं।

एण्डटीवी के सुपरनैचुरल कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में हुई सीरत कपूर की एंट्री

मुंबई, एजेंसी। एण्डटीवी के 'घरवाली पेड़वाली' अपनी हंसी, सुपरनैचुरल मस्ती और दिल को छू लेने वाले फैमिली ड्रामा के अनोखे मिश्रण से दर्शकों का दिल जीतने को तैयार है। अब शो में एक नए कलाकार की एंट्री हो रही है। प्रतिभाशाली और जोशीली अभिनेत्री सीरत कपूर शो में सावी के किरदार में नजर आएंगी, जोकि आत्मविश्वास से भरपूर, जिंदादिल और नये जमाने की लड़की है। वह इस अनोखे लव ट्रायंगल में एक नया मोड़ लेकर आएगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए सीरत कपूर कहती हैं,घरवाली पेड़वाली' का हिस्सा बनकर मैं बहुत उत्साहित हूँ! यह कॉन्सेप्ट बहुत ताजगी भरा है और मैंने इससे पहले ऐसा कुछ नहीं किया है। जैसे ही मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और मॉक शूट किया, मुझे पता था कि यह खास होने वाला है। सावी एक जीवंत और डायनैमिक किरदार है, जो बेहद आधुनिक होते हुए भी अपने मूल्यों में विश्वास रखती है। इस किरदार की सबसे अच्छी बात मुझे यह लगती है कि वह पूरी तरह आधुनिक लड़की होते हुए भी एक बड़े और प्यार भरे संयुक्त परिवार का हिस्सा बनने का सपना देखती है।

वर्ल्ड कप जीतने पर महिला क्रिकेटर रेणुका ठाकुर को एक करोड़ देगी हिमाचल सरकार

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की बेटी और तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर से फोन पर बात कर उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की। मुख्यमंत्री ने देश और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए क्रिकेटर रेणुका ठाकुर को एक करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को कहा कि भारत की बेटियों ने एक बार फिर यह साबित किया है कि मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल की बेटी रेणुका ठाकुर ने विश्व कप में शानदार गेंदबाजी कर भारत को जीत की राह पर लाने में अहम भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि रेणुका के प्रदर्शन से न केवल देश, वरन प्रदेश का भी गौरव बढ़ा है। प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। बेटियों को हर क्षेत्र में समान अवसर देने का काम कर रही है। रेणुका ठाकुर मूल रूप से जिला शिमला के रोहड़ू की रहने वाली हैं। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम में अपनी सटीक और तेज गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं। वर्ल्ड कप में उनके प्रदर्शन ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेणुका की मेहनत और लगन युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है ताकि हिमाचल के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा सकें।

ओपिनियन पोल- बिहार चुनाव में चिराग पासवान को लग सकता है झटका

पटना, एजेंसी।
बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान गुरुवार को होना है। उससे ठीक पहले आईएएनएस-मैट्रिज़ का सर्वे आया है, जिसमें एनडीए की वापसी का अनुमान जाहिर किया गया है। पोल के अनुसार 153 से 164 तक सीटें हासिल करके एनडीए फिर से सत्ता में लौट सकता है। वहीं तेजस्वी यादव की लीडरशिप वाली आरजेडी को महज 76 से 87 सीटें मिलने की ही भविष्यवाणी की गई है। इन दावों के बीच एक अहम भविष्यवाणी यह भी है कि खुद को पीएम नरेंद्र मोदी का हनुमान कहने वाले चिराग पासवान की पार्टी को झटका लग सकता है। सर्वे में यह दिलचस्प तथ्य है कि एक तरफ एनडीए को जीत मिलेगी तो वहीं चिराग की एलजेपी को महज 4 से 5 सीटें ही मिलेंगी।

एनडीए के सीट बंटवारे में चिराग पासवान की पार्टी को 29 सीटें मिली हैं। ऐसे में यदि 4-5 पर ही जीत मिली तो यह उसके लिए झटका होगा और पार्टी का स्ट्राइक रेट बेहद कम होगा। यह इसलिए अहम है क्योंकि लोकसभा चुनाव में अपने स्ट्राइक रेट के नाम पर ही चिराग पासवान की पार्टी ने

विधानसभा में ज्यादा सीटों पर दावा किया था। सर्वे में जीतनराम मांझी एक बड़ी सफलता पाते दिख रहे हैं। सर्वे में अनुमान है कि जीतनराम मांझी की हम भी 4-5 सीट पा सकती है। ऐसा हुआ तो उनकी पार्टी का स्ट्राइक रेट 90 फीसदी तक होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके दल को 6 सीटें ही मिली हैं।

आरजेडी पर भारी पड़ सकता है कांग्रेस को ज्यादा सीटें देना: अब बात महागठबंधन की करें तो आरजेडी को कांग्रेस को ज्यादा सीटें देना भारी पड़ सकता है। सर्वे में कांग्रेस को 7 से 9 सीटें ही मिलने का अनुमान है, जबकि पार्टी ने 62 पर कैंडिडेट उतारे हैं। यदि यही नतीजा रहा तो साफ हो जाएगा कि तेजस्वी यादव ने 2017 में अखिलेश यादव की ओर से की गई चूक को दोहरा दिया है। तब यूपी में कांग्रेस को अखिलेश ने 100 सीटें दी थीं और वह महज 7 पर ही जीत हासिल कर पाई थी। माना गया था कि सपा की करारी हार के पीछे कांग्रेस को उसकी हैसियत से ज्यादा सीटें देना था। अब बिहार में भी यदि नतीजे सर्वे वाले ही रहे तो फिर कांग्रेस पर निश्चित तौर पर सवाल उठेंगे।

नीतीश कुमार के पक्ष में ओपिनियन पोल: ओपिनियन पोल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए भी खुशखबरी है। 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं के लिए कुमार सीएम के तौर पर पहली पसंद हैं। जबकि, महागठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव के पक्ष में 15 प्रतिशत उत्तरदाता रहे। बिहार की 243 सीटों पर दो चरणों में मतदान गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। पहले चरण में 121 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। जबकि, 11 नवंबर को दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान होगा। भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 14 नवंबर को मतगणना होगी। इस दौरान कुल 2 हजार 616 उम्मीदवार चुनावी दांव खेलेंगे। राज्य में सत्तारूढ़ एनडीए और राष्ट्रीय जनता दल की अगुवाई वाले महागठबंधन के बीच मुख्य मुकाबला है। पीएम मोदी ने मंगलवार को कहा कि बिहार की जनता ने यह सुनिश्चित करने का मन बना लिया है कि एनडीए आगामी विधानसभा चुनावों में पिछले 20 वर्षों के अपने जीत के रिकॉर्ड को तोड़े और राज्य में 'जंगल राज' की वापसी न हो। मोदी ने कहा कि बिहार में 'जंगल राज' लाने वाले लोगों को आगामी चुनावों में अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ेगा।

पंचकूला की तर्ज पर गुरुग्राम में बनेगें चार पक्षीघर, 10 हजार पक्षियों को मिलेगा नया घर

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम नगर निगम पंचकूला की तर्ज पर शहर में चार अलग-अलग स्थानों पर आधुनिक पक्षी घर स्थापित करने की योजना बना रहा है। यह पहल गुरुग्राम में अपनी तरह की पहली है। इससे पहले प्रदेश में सिर्फ पंचकूला में ही ऐसे पक्षी घर बनाए गए हैं।

शहर में अभी तक पक्षियों को लेकर निगम की तरफ से कोई भी पक्षी घर नहीं बनाए गए हैं। इस कारण शहर में पक्षी अरावली के जंगलों और शहर में विभिन्न जगहों पर अपने घोंसले बना लेते हैं, लेकिन अब निगम की तरफ से पक्षियों के रहने के लिए पक्षी घर बनाया जाने की योजना तैयार की है।

निगम द्वारा बनाए जा रहे ये पक्षी घर साधारण नहीं होंगे, बल्कि इन्हें विशेष रूप से पक्षियों के आराम और सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। प्रत्येक पक्षी घर की ऊंचाई लगभग 52 फीट होगी, जो इसे लगभग छह से सात मंजिला इमारत जैसा स्वरूप देगी। प्रत्येक टावर में लगभग 650 पक्के घोंसले बनाए जाएंगे। इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि हर घोंसले में 4 से 5 पक्षी आसानी से रह सकें। चारों पक्षी घरों में कुल आठ से दस हज़ार पक्षी रह सकेंगे।

शहर में बढ़ते कंक्रीट के जंगल और पेड़ों की कटाई के कारण पक्षियों के प्राकृतिक घोंसले बनाने के स्थान लगातार कम हो रहे हैं। ये टावर उन्हें शिकारियों और मौसम की मार से बचाकर एक सुरक्षित और स्थायी निवास प्रदान करेंगे। पक्के और सुरक्षित घोंसले पक्षियों को प्रजनन करने और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करेंगे, जिससे उनकी स्थानीय आबादी के संरक्षण में मदद मिलेगी। वर्तमान में गुरुग्राम में कोई भी समर्पित पक्षी घर नहीं है। निगम के इस कदम को पर्यावरणविद् और स्थानीय लोगों ने सराहा है। उनका मानना है कि यह पहल गुरुग्राम को प्रकृति-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। गुरुग्राम निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि शहर में पक्षियों के लिए चारों जोन में एक-एक पक्षी घर बनाने की योजना तैयार की जा रही है। ट्रायल के तौर पर पहले एक जोन में यह पक्षी घर बनाया जाएगा।

पैसों की होगी बरसात, 2000 रुपए की नोट से देते थे झांसा; फिर ऐसे खुला ठगों का खेल

बेंगलुरु, एजेंसी।
बेंगलुरु में पुलिस ने एक गैंग का पर्दाफाश किया है। दस सदस्यीय यह गैंग 2000 के नोटों का सीरियल नंबर बदलकर उससे ठगी करते थे। गैंग के सदस्य लोगों को लालच देते थे कि यह नोट लेने के बाद उनके यहां पैसों की बारिश होगी। इसके बाद उनके पैसे बढ़ जाएंगे और यह बेहद सौभाग्यशाली साबित होगा। मंगलवार को एक पुलिस अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी। पुलिस ने यह कदम आरबीआई के मैनेजर की शिकायत के बाद उठाया। गैंग के पास से पुलिस ने 18 लाख रुपए की कीमत के 2000 रुपए के नोट बरामद किए।

पुलिस के मुताबिक यह गैंग नोटों पर से उनका ओरिजिनल नंबर बदल देते थे। इसके बाद वह नकली स्याही से एक अलग सीरियल नंबर छापते थे। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने पत्रकारों से कहा कि आरबीआई का कहना है कि यह नोट तो असली हैं। लेकिन इनके ऊपर छपा हुआ सीरियल नंबर बदल दिया गया है। यह गैंग इन नोटों को देकर लोगों से कहता था

कि इसके साथ खास पूजा करने से उनके पास 100 गुना ज्यादा धन आएगा।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने लोगों को धोखा दिया है। इस मामले में पुलिस को पहली सफलता 24 अक्टूबर को मिली थी। उस वक्त एक व्यक्ति को कुबनपेट में पुलिस ने उसे घर से गिरफ्तार किया था। पूछताछ में व्यक्ति ने स्वीकार किया कि उसने बैंक में 40 हजार रुपए जमा किए थे। इस शख्स का कहना है कि उसे दो परिचितों से यह पैसे मिले थे, जिन्होंने उसे कमीशन का लालच दिया था।

कश्मीर में बदला मौसम का मिजाज

बारिश और हिमपात से बढ़ी ठंड; सफेद चादर में लिपटे गुलमर्ग-सोनमर्ग

श्रीनगर, एजेंसी।
कश्मीर घाटी में मंगलवार शाम ऊपरी इलाकों में हिमपात और मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश होने से मौसम का मिजाज बदल गया और तापमान में भारी गिरावट आयी है। मौसम में अचानक आये बदलाव से घाटी में ठंड बढ़ गयी है। प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों सोनमर्ग, गुलमर्ग, दूधपथरी और युसमर्ग के पहाड़ी इलाकों में देर शाम हिमपात शुरू हो गया , जिससे इन खूबसूरत घाटियों ने सफेद चादर ओढ़ ली। हिमपात देखने आए पर्यटकों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। पर्यटकों ने कहा कि हिमपात ने कश्मीर की हवा में एक नयी ताज़गी भर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि साधना दर्रा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकटवर्ती इलाकों सहित कुपवाड़ा के ऊंचाई

वाले इलाकों में भी हिमपात हुआ। एक होटल मालिक नियाज अहमद ने कहा, 'पहलगाम हमले के बाद पर्यटन क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा था। होटल खाली हो गये थे और बुकिंग रद्द हो गयी थी , लेकिन हमें उम्मीद है कि इस हिमपात के बाद स्थिति में सुधार होगा और बड़ी संख्या में घरेलू और विदेशी पर्यटक फिर से कश्मीर घूमने आयेंगे।' मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि घाटी में बुधवार सुबह तक बारिश और हिमपात जारी रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि ताज़ा हिमपात के कारण गुलमर्ग, सोनमर्ग और अन्य पर्यटन स्थलों पर बर्फ की हल्की परत जम गयी है, जबकि तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट आयी है। इस बीच श्रीनगर, बारामूला, बडगाम और अनंतनाग समेत मैदानी इलाकों में शाम से बारिश शुरू हो गयी, जिससे ठंड और बढ़ गयी है। बाजारों में गर्म कपड़ों, हीटर और कोयले की मांग बढ़ गयी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कई हफ्तों से मौसम शुष्क और कुछ हद तक सुहावना था, लेकिन ताज़ा हिमपातऔर बारिश के बाद घाटी में सर्दी के नियमित आगमन का एहसास होने लगा है। पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने उम्मीद जतायी कि हिमपात से पर्यटन गतिविधियों में नयी जान आयेगी। उन्होंने कहा कि सर्दियों का पहला हिमपात हमेशा घाटी के लिए शुभ माना जाता है, क्योंकि यह कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता में एक नया आयाम जोड़ती है और पर्यटकों को आकर्षित करती है ।

हिमाचल में बढ़ी ठंड, 3 शहरों में माइनस में पारा

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में सर्दी का असर बढ़ गया है। राज्य के पर्वतीय इलाकों में तापमान लगातार गिरने लगा है। जनजातीय क्षेत्रों में कई जगह पारा शून्य से नीचे पहुंच गया है। सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक प्रदेश के तीन स्थानों पर न्यूनतम तापमान माइनस में दर्ज किया गया। लाहौल-स्पीति जिला का ताबो इस समय सबसे ठंडा स्थल रहा, जहां तापमान -3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी जिले के कुकुमसेरी में -0.9 डिग्री और केलंग में -0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

किन्नौर जिले के कल्पा में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री और रिकांगपिओ में 5.7 डिग्री रहा। पर्यटन स्थलों शिमला और मनाली में भी ठंड बढ़ गई है। शिमला में आज न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो पिछले दिन से तीन डिग्री कम है, जबकि मनाली में पारा 5.9 डिग्री सेल्सियस तक गिरा। इसी तरह राज्य के अन्य भागों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। सुंदरनगर में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री, भुंतर में 8.2 डिग्री, नाहन में 13.2 डिग्री, ऊना में 13.3 डिग्री, धर्मशाला में 13.4 डिग्री, पालमपुर में 10 डिग्री, सोलन में 7 डिग्री, मंडी में 11 डिग्री, कांगड़ा में 12.8 डिग्री, हमीरपुर में 10.9 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 10.6 डिग्री, कुफ़री में 7.9 डिग्री, नारकंडा में 5.9 डिग्री, भरमौर में 7.6 डिग्री और सियोबाग में 6.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बीते 24 घंटों में राज्य के औसतन न्यूनतम तापमान में 1.1 डिग्री की गिरावट आई है। मंगलवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ बना हुआ है। शिमला और मनाली में धूप खिली है, जबकि मैदानी इलाकों में सुबह के समय कोहरा छाया रहा। सुंदरनगर में घने कोहरे के कारण दृश्यता केवल 200 मीटर तक सीमित रही। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के छह जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आज और कल कई स्थानों पर वर्षा और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है। विभाग के अनुसार, ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, मंडी और कांगड़ा जिलों में आज गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने का येलो अलर्ट रहेगा।

नूंह-पलवल रोड को 4 लेन बनाने की मांग हुई तेज, एनसीआर के 50 गांवों के लोगों के लिए है जीवन रेखा

पलवल/नूंह, एजेंसी।
हरियाणा के पलवल-नूंह रोड करीब 50 गांवों के लोगों की जीवन रेखा है। आवाजाही ही नहीं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी यह काफी महत्वपूर्ण है। पलवल से काफी मरीजों को इलाज के लिए नूंह के हसन खान मेवाती मेडिकल रेफर किया जाता है। लोगों की मांग है कि इस रोड के चार लेन होने से काफी राहत मिलेगी।

स्थानीय निवासियों- अजित, हारून, साहून, हरपाल आदि का कहना है कि सड़क चौड़ी होना समय की मांग है। गांवों में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के कारण यह रोड अब संकरी हो गई है। अगर सरकार इसे चार लेन का बना दे, तो न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि आसपास के गांवों के विकास में भी तेजी आएगी। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क उनके लिए जीवन रेखा है और इसके चौड़ीकरण में अब देरी नहीं होनी चाहिए।

किसान नेता महेंद्र चौहान का कहना है कि पलवल जिले के लोगों को गंभीर बीमारियों या सड़क हादसों की स्थिति में नूंह स्थित शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज पर निर्भर रहना पड़ता है। जिला पलवल का अस्पताल सीमित सुविधाओं वाला होने के कारण गंभीर मरीजों को नल्हड़ रेफर किया जाता है। पलवल-नूंह मार्ग इन मरीजों के लिए सबसे

निकट और सुविधाजनक रास्ता है। सड़क संकरी होने से एंबुलेंस को कई बार जाम या खराब सड़क की वजह से काफी देरी होती है, जिससे मरीजों की जान पर बन आती है। यह सड़क केवल पलवल ही नहीं बल्कि फरीदाबाद और नूंह जिलों के मरीजों के लिए भी अहम है। फरीदाबाद से भी गंभीर मामलों में मरीजों को नल्हड़ मेडिकल कॉलेज भेजा जाता है। सड़क चौड़ी होने से एंबुलेंस को तेजी से आवागमन की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से सड़क दुर्घटना और आपराधिक मामलों में घायल मरीजों को शीघ्र मेडिकल हेल्प मिल सकेगी। इससे दोनों जिलों के लोगों का आवागमन काफी सुगम रहेगा। करीब 30 किलोमीटर लंबी यह सड़क दोनों ओर से 50 गांवों को जोड़ती है। किसान अपनी फसल मंडियों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं।

यूपी में पीडीए बनाम डीएमपी, बूथ लेवल पर छिड़ा अभियान

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश की सियासत में इस वक्त हर राजनीतिक दल 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति बनाने में जुटा है। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी जहां पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले से भाजपा को चुनौती देने की जुगत में है तो वहीं बसपा ने भी दलित-मुस्लिम-पिछड़ा (डीएमपी) को जोड़ने को अभियान शुरू कर दिया है। अब यूपी के रण में पीडीए बनाम डीएमपी होता दिख रहा है। 2027 के रण में भाजपा को हराकर सत्ता के सिंहासन कब्जे का दावा कर रहे दोनों राजनीतिक दल, अपना-अपना वोटर बेस बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में सियासी जानकार अभी यह कहने से बच रहे हैं कि कौन किसको चुनौती दे पाएगा। हालांकि वे इतना जरूर कह रहे हैं कि मायावती के नए डीएमपी दांव से अब तक पिछडा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) फॉमूले को अचूक हथियार मान रहे अखिलेश यादव को थोड़ी टेंशन जरूर हो सकती है।

बसपा नए अभियान के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में दो-दो संयोजक बना रही है। ये संयोजक हर बूथ पर 120-120 दलित, मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग के लोगों

को सह-संयोजक बनाएंगे। फिर यं सह-संयोजक भाईचारा कमेटियों की मदद से बूथ स्तर तक पार्टी की नीतियों के बारे में जानकारी देकर लोगों में पार्टी की पैठ बनाएंगे। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीते नौ अक्तूबर को कांशीराम परिनिर्वाण दिवस के बाद एक के बाद एक ताबड़तोड़ चार मीटिंग की और सख्त निर्देश दिए कि पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए अभियान शुरू किया जाए। बूथ स्तर तक पार्टी की मजबूती पर जोर दिया जा रहा है। मायावती ने चार बार मुख्यमंत्री रहते हुए दलित, मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए क्या-क्या कार्य किए उसकी सूची पार्टी पदाधिकारियों को बनाकर सौंपी गई है। सपा के पीडीए की काट के लिए बसपा भी इन्हीं वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए मैदान में उतर गई है। बसपा के लखनऊ मंडल के कोआर्डिनेटर सरवर मलिक ने लगातार विधानसभा क्षेत्रों में बैठक कर संयोजक बनाने के काम में जुटे हुए हैं। बूथ स्तर पर पदाधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं कि वह छोटी-छोटी टोलियां बनाकर लोगों के बीच जाएं और उन्हें बसपा से जोड़ने का काम करें। अलीगढ़ मंडल के कोआर्डिनेटर रामदास सविता की ओर से भी मंडल की विधानसभा सीटों पर संयोजक बनाने का काम शुरू हो गया है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने गुपचुप ढंग से प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। हालांकि विधानसभा चुनाव में अभी एक वर्ष से अधिक का समय बाकी है।

मुख्तार अंसारी की जमीन पर बने फ्लैट, सीएम योगी ने 72 आवंटियों को सौंपी चाबी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के लखनऊ में माफिया मुख्तार अंसारी की डालीबाग स्थित बहुमंजिला कोठी को ध्वस्त करने के बाद उस पर बनाए गए फ्लैट मंगलवार को गरीबों को आवंटित हो गए। एलडीए ने इस सरकारी निष्क्रांत भूमि पर 72 फ्लैट बनवाए हैं, जिनकी मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पारदर्शी तरीके से लॉटरी कराई गई। लॉटरी में चयनित आवंटियों को अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को स्वयं चाबी सौंपी। सीएम योगी ने बुधवार को सुबह आवंटियों को घर की चाबी सौंपी है। लखनऊ में मुख्तार से खाली कराई गई जमीन पर बने मकान की योजना को सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना नाम दिया गया है। 72 फ्लैट की चाबी आवंटियों को सीएम योगी ने सौंपी है। इस दौरान सीएम योगी ने गरीबों के लिए बने मकान का निरीक्षण किया। इस जमीन पर माफिया मुख्तार अंसारी का कब्जा था और इसपर बहुमंजिला कोठी बनी हुई थी। जमीन खाली करवाई गई और कोठी को ध्वस्त करने के बाद गरीबों के मकान बनवाए गए हैं। ये फ्लैट 10.70 लाख रुपए में 36.65 वर्ग मीटर के हैं। इनके लिए 8 हजार से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया था। इस योजना के तहत घरों में स्वच्छ पेयजल, बिजली, सुरक्षा और पार्किंग सुविधा भी रहगी। इन फ्लैटों की कीमत बाजार में लगभग 35 लाख रुपये आंकी गई है, जबकि एलडीए ने इन्हें महज 10.70 लाख रुपये में उपलब्ध कराया है।

25 लाख के जेवरात चोरी मामले में आरोपियों का नार्को टेस्ट होगा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर में भगवान गंज मंडी कॉलोनी में दो माह पूर्व हुई चोरी के खुलासे के लिए पुलिस तीन आरोपियों का नार्को टेस्ट कराने की तैयारी कर रही। जल्द ही पुलिस कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया है। वहीं, घरेलू सहायिका ने भी छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। भगवान गंज मंडी कॉलोनी निवासी कपड़ा व्यापारी प्रिंस सिघंल के घर से 25 लाख रुपये के जेवरात चोरी हुए थे। पीड़ति ने इस संबंध में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वहीं, घरेलू सहायिका ने भी छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कई बार थाने पर प्रदर्शन किया था। पुलिस ने घरेलू सहायिका से पूछताछ की, लेकिन कोई साक्ष्य नहीं मिला। घरेलू सहायिका भी बार-बार अपने बयान बदल रही है। एक सप्ताह पहले व्यापारियों ने एसपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी को ज्ञापन दिया था। एसपी ने जल्द घटना के खुलासे का आश्वासन दिया था। सीओ मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि इस मामले में तीन आरोपी हैं। घटना के खुलासे के लिए नार्को टेस्ट कराने की तैयारी की जा रही। इसके बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

नए सॉफ्टवेयर से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नवयुग मार्केट स्थित मुख्य प्रधान डाकघर में लोगों को नए सॉफ्टवेयर से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया। इस दौरान डाक घर की कार्य प्रणाली में आने वाले बदलाव की भी जानकारी लोगों को दी गई। मुख्य प्रधान डाकघर की सीनियर पोस्ट मास्टर ने बताया कि अगश्त में सभी डाकघर में नया सॉफ्टवेयर रोल आउट किया गया था। इसके बाद से डाकघर के कार्यों में अधिक तेजी आई है। इसके अलावा कार्य प्रणाली में भी बदलाव आया है। जिससे डाकघर में विभिन्न कार्यों से आने वाले लोगों को भी काफी सुविधा मिल रही है। नए सॉफ्टवेयर के बाद से कई नई सुविधा भी जोड़ी गई है। इसको लेकर डाक घर में आए लोगों को जानकारी दी गई। उन्हें विभिन्न तरह की नई सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया और इससे होने वाले लाभ की भी जानकारी दी गई।वहीं विभाग की कई कल्याणकारी योजनाओं में खाता खुलवाने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया गया।

कहासुनी के बाद युवक से मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थानाक्षेत्र में युवक से मारपीट का मामला सामने आया है। रेल विहार में रहने वाले कुलदीप ने बताया कि तीन नवंबर की रात को राज मोहन साहू, पंकज व कुछ अज्ञात लोगों ने घर के बाहर उनसे मारपीट की। आसपास के लोगों के आने पर आरोपी फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों से पूर्व में कहासुनी हुई थी। इसी कारण उन पर हमला किया गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोट आई हैं। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही है।

श्रमिकों को पंजीकरण का नवीनीकरण कराना होगा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। श्रमिकों को अपना पंजीकरण 15 नवंबर तक अपडेट कराना होगा। उप श्रम आयुक्त अनुराग मिश्र ने बताया कि ऐसे श्रमिक जिन्होंने पिछले चार वर्ष से अपना श्रमिक पंजीकरण अपडेट नहीं कराया है, उनको 15 नवंबर से पहले पंजीकरण का नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण को अपडेट नहीं कराने पर उन्हें निष्क्रिय सूची में डाल दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया की जनपद में दो लाख 92 हजार 141 श्रमिकों को अपना पंजीकरण अपडेट कराना है। लाभार्थी जन सेवा केंद्र पर जाकर पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

नारी शक्ति ने किया खिचड़ी वितरण

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के उपलक्ष में बुखारा चुंगी के निकट रविदास जी के मंदिर पर खिचड़ी वितरण का कार्यक्रम किया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्ष पूनम गोयल ने कहा कि कार्तिक शुक्ल गंगा स्नान पर खिचड़ी दान करने पर विशेष पुण्य प्राप्त होता है। जिससे जन्म-जन्मान्तर के पापों का नाश होता है और सुख समृद्धि एवं अक्षय मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह दान स्नान और पूजा के माध्यम से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त करने का एक तरीका है !खिचड़ी वितरण करने में संगठन की महामंत्री शिवानी चौहान उपाध्यक्ष गार्गी अग्रवाल, निधि वर्मा, राखी गुप्ता, वंदना गुप्ता, मंत्री संतोष, रिंकी मसीह, शिखा गुप्ता, करुणा अग्रवाल मनीषा गुप्ता कोषाध्यक्ष मोनिका अग्रवाल मिडिया प्रभारी माही मसीह सदस्य जावित्री, पूजा, ईरा आदि उपस्थित रही।

पिता और बड़े भाई पर किया हमला

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दनकौर के कनरसा गांव में मामूली विवाद में व्यक्ति ने अपने बड़े भाई और पिता पर जानलेवा हमला कर दिया। पिता के दांत टूट गए। घायल भाई की हालत नाजुक बनी हुई है।शिकायतकर्ता अनिता का कहना है कि उसका देवर खेत से मंगलवार को पशुओं का चारा बाइक पर रखकर ला रहा था। घर के नजदीक पहुंचे तो चारा बाइक से गिर गया। आरोपी ने वहीं पास बैठे अपने पिता रूपचंद को गाली देने लगा। विरोध पर पिता की जमकर पिटाई की। यह सुनकर पीड़िता के पति ताराचंद भी मौके पर पहुंचे। आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया। वह आईसीयू में भर्ती हैं। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि शिकायत लेकर कार्रवाई की जा रही है।

पेड़ से लटका मिला शव

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दादरी की दौलत राम कॉलोनी में सुरेंद्र उर्फ भोला (35) का शव रुपवास बाईपास रेलवे लाइन के किनारे पेड़ पर फंदे से लटका मिला है। दादरी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि वह ऑटो चलाते थे। वह काफी समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। पहले भी अपने घर पर एक बार फंदा लगाने का प्रयास किया था। मानसिक रूप से परेशान चलने को लेकर परिजन इलाज के लिए चार दिन पूर्व जिला अस्पताल लेकर गए थे। अस्पताल से वह फरार हो गए थे। 4 नवंबर की शाम को वह मृत अवस्था में मिले।

थ्री व्हीलर चालक बने लुटेरे, महिला से गहने व मोबाइल लूटकर फरार

मुठभेड़ में दोनों बदमाश घायल अवस्था में गिरफ्तार, तमंचे व लूटा गया सामान बरामद

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

हल्दौर पुलिस ने महिला से लूटपाट करने वाले दो शातिर बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। दोनों लुटेरों को पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगी। बदमाशों के पास से महिला के गहने, मोबाइल, अवैध तमंचे और घटना में प्रयुक्त टैम्पो बरामद किया गया। लुटेरों ने बस स्टैंड से बैठाया, सुनसान नहर किनारे ले जाकर लूटे गहने।

मिली जानकारी के अनुसार, शोभा वाल्मीकि पत्नी रोहताश निवासी ग्राम हुसमापुर, थाना नौगांवा सादात, जनपद अमरोहा अपने दो बच्चों के साथ देहरादून से बिजनौर आईं। रोडवेज बस स्टैंड पर चांदपुर जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थीं। इस दौरान दो अज्ञात टैम्पो सवार युवकों ने उन्हें चांदपुर ले जाने के बहाने अपने वाहन में बैठा लिया।

दोनों टैम्पो सवार युवक महिला को बरूकी नहर खारी के पास सुनसान स्थान पर ले गए और डरा-धमकाकर उसके गहने, ₹300–400 नकद और मोबाइल (रियलमी) लूटकर फरार हो गए। महिला की शिकायत पर थाना हल्दौर पुलिस ने तत्काल मु.अ.सं. 254/2025 धारा 309(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में टीम गठित की।

अगले दिन, 05 नवंबर 2025, थाना हल्दौर पुलिस को सूचना मिली कि लूटपाट करने वाले दोनों आरोपी कस्बा झालू से नवादा-मुकरंदपुर नहर पटरी से बिजनौर-नूरपुर रोड की ओर जा रहे हैं। पुलिस ने नहर पटरी पर घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। तभी सामने से एक हरे रंग का बजाज मैक्सिमा CNG टैम्पो (UP20CT0963) आता दिखाई दिया।

पुलिस को देखकर टैम्पो सवारों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की।, जिसमें दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी। उन्हें घायल अवस्था में गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राजीव पुत्र दीवान सिंह, निवासी ग्राम छितावर, थाना किरतपुर, जनपद बिजनौर।, अश्वनी शर्मा पुत्र जयकिशन शर्मा, निवासी ग्राम ढांकी हुसैनपुर, थाना किरतपुर, जनपद बिजनौर के रूप में हुई। दोनों के कब्जे से बरामद —01 अंगूठी (पीली धातु),01 जोड़ी बाली (पीली धातु),01 मंगलसूत्र (पीली धातु),01 मोबाइल फोन (रियलमी कंपनी का)

,02 अवैध तमंचे 315 बोर, जिन्दा व खोखा कारतूस सहित,बजाज मैक्सिमा सीएनजी टैम्पो नंबर UP20CT0963,दोनों आरोपी लूट की नीयत से टैम्पो चलाते थे। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वे जीविकोपार्जन के नाम पर टैम्पो चलाते थे,। लेकिन सवारी के रूप में भोले-भाले लोगों को बैठाकर सुनसान जगहों पर ले जाकर लूटपाट करते थे। महिला से लूटे गए गहने और मोबाइल को वे बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। इस घटनाक्रम में थाना हल्दौर पुलिस की सराहनीय भूमिका रही जिसमें थाना प्रभारी संजय कुमार, थाना हल्दौर

प्रभारी सर्विलांस/स्वाट सेल टीम, जनपद बिजनौर,पुलिस अधीक्षक ने हल्दौर पुलिस टीम की तत्परता, सक्रियता और बहादुरी की सराहना की है।

धूमधाम से मनाया श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष में गुरुद्वारा संत सभा निकट एसडीएम कोर्ट नगीना में कथा विचार, कीर्तन एवं लंगर का आयोजन हुआ। इस अवसर गुरु घर को फूलों से विशेष रूप से सजाया गया।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष में दिनांक 3 नवम्बर को आरंभ हुए श्री अखंड पाठ साहिब के पाठ की संपूर्णता सुबह 10:00 बजे गुरुद्वारा दीवान हाल में हुई। इसके बाद कीर्तन दरबार का आयोजन दीवान हाल में किया गया, जिसमें बाबा कृष्ण सिंह, भाई रामधन सिंह ने अपने रूहानी कीर्तन द्वारा संगतों को निहाल किया। भाई अमीर सिंह और भाई हरदयाल सिंह सोढ़ी ने गुरु नानक देव जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

भाई तारा सिंह ने श्री गुरु नानक देव जी की जीवनी पर प्रकाश डाला और सभी संगतों से गुरु नानक देव जी द्वारा दिखाए राश्ते पर चलने का अनुरोध किया। दोपहर लगभग 1:30 बजे सरबत दे भले की अरदास के बाद लंगर का आयोजन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने लंगर को छका। अरदास के बाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गुरुद्वारा तथा लंगर की सेवा से जुड़े लोगों को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधान गुरुद्वारा संत सभा नगीना सरदार केवल पाल सिंह ,गुरु घर के ज्ञानी भाई कृष्ण सिंह, भाई तारा सिंह, भाई रामधन सिंह,हरमीत मल्होत्रा, मनमीत सिंह, जगप्रीत सिंह, शिवा मिगलानी, हरविंदर कौर, बक्शीस सिंह, बाबू चंद्रपाल सिंह, कुशदीप सिंह, रोहित, जगदीप ठकराल, रोहित रवि, पूर्व विधायक सतीश गौतम, महेंद्र सिंह,परमिंदर कौर, दीपक मल्होत्रा, चारु मल्होत्रा, अनमोल, ऋषभ, पूजा, अजीत कौर, रमिंदर कौर, अवनीत कौर,प्रीत टंडन, मनमीत कौर आदि सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे।

गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी नगीना द्वारा गुरुद्वारे आए सभी परिवारों का बहुत-बहुत धन्यवाद किया गया और सभी संगतों से आगे भी इसी तरह के सहयोग की अपील की ।

इधर नौकरी गई, उधर मोबाइल फोन छिना

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-63 स्थित प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने वाले युवक को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया। वह कंपनी से निकलकर परिचित से बात कर रहा था, तभी बाइक सवार दो बदमाश उसका मोबाइल फोन छीनकर ले गए। पुलिस जांच में जुटी है।

सेक्टर-93 स्थित गेझा गांव में रहने वाले मृत्युंजय राय ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-63 स्थित एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। इसी माह एक नवंबर को उन्हें कंपनी से निकाल दिया गया। वह कंपनी से बाहर निकलकर करीब 20 कदम चले तो परिचित की कॉल आ गई। वह उससे बात करते हुए पैदल सड़क किनारे चल रहे थे, तभी बाइक सवार दो बदमाश आए और उनका मोबाइल फोन छीनकर ले गए। पीड़ित का कहना है कि शुरुआत में जब वह पुलिस चौकी पर गए थे, उनसे मोबाइल छिनैती के बजाय गुम होने की शिकायत करने के लिए कहा गया। पीड़ित का कहना है कि बदमाश कंपनी के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं।

कार से सामान चोरी

एनसीआर टुडे. दादरी। कोतवाली क्षेत्र के दादरी बाईपास वर्कशॉप के सामने से कार के दो बैटरी टर्मिनल काटकर चोरी कर लिए गए।

घटना के 1 सप्ताह बाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि बादलपुर गांव निवासी प्रशांत नागर की कार रिजवान चलाता है।

सहकर्मियों पर परेशान करने आरोपी, खुदकुशी का प्रयास

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

सिहानी गेट थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक महिला सफाई कर्मचारी के साथ छेड़छाड़ और जबरन संबंध बनाने के दबाव का मामला सामने आया है।

मानसिक उत्पीड़न से परेशान महिला ने आत्महत्या का प्रयास किया। फिलहाल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। महिला के पति ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति पुलिस में दी शिकायत में कहा है कि उनकी पत्नी नोएडा में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत है।

बीते 28 अक्तूबर ड्यूटी के दौरान उसके साथ काम करने वाले चिंटू और सुमित ने उसके साथ छेड़छाड़ और बदतमीजी की।

आरोप है कि दोनों ने उनकी पत्नी पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला, लेकिन उसने विरोध कर किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनकी पत्नी ने घटना की शिकायत अपने सुपरवाइजर बबलू पार्चा और राधे पार्चा से की तो उन्होंने कार्रवाई करने के बजाय आरोपियों का ही साथ दिया।

इतना ही नहीं, सुपरवाइजरों ने उनकी पत्नी से कहा कि या तो वह चिंटू और सुमित की बात मान ले या फिर एक लाख रुपये देकर अपनी नौकरी बचाए। बात न मानने पर उसे काम से निकाल दिया जाएगा। आरोप है कि लगातार मानसिक शोषण से परेशान होकर उनकी पत्नी ने एक नवंबर की दोपहर करीब ढाई बजे जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। परिजनों ने तत्काल उसे नजदीकी गाजियाबाद में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है। पीड़ित पति ने दो नवंबर को सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि शिकायत के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कार्तिक पूर्णिमा मेले की सुरक्षा व्यवस्था का एएसपी ग्रामीण ने लिया जायजा

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷

कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक

(ग्रामीण) श्री प्रकाश कुमार ने सोमवार को थाना चांदपुर क्षेत्रान्तर्गत मेला स्थल का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और गंगा आरती में भाग लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा का आकलन किया। एएसपी ग्रामीण श्री प्रकाश कुमार ने मेला समिति के सदस्यों से वार्ता कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थल, लाउडस्पीकर नियंत्रण तथा भीड़ प्रबंधन को लेकर भी उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस बल को चौकसी बरतने, गश्त बढ़ाने और संदिग्ध व्यक्तियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

मेले में श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण व श्रद्धाभाव से गंगा स्नान किया। प्रशासन ने व्यवस्था को लेकर संतोष व्यक्त किया और कहा कि पूरे मेले के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

कुत्ते से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत से परिवार में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

कुत्ते से बाइक टकराने पर एक युवक की मौत हो गई। जबकि पीछे बैठा गांव का ही दूसरा युवक घायल हो गया। ओर बाइक से टकराए कुत्ते की भी मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त समाचार के अनुसार मंगलवार को गांव ताहरपुर सैद उर्फ तरकौला निवासी सुऐब पुत्र याकूब गांव के ही साकिब पुत्र नौशाद को साथ लेकर किसी काम से नहटौर आया था। शाम के वक्त घर लौटते समय नूरपुर रोड पर गांव चक गोवर्धन में उनकी बाइक के सामने अचानक कुत्ता आ गया। उससे टकराकर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई।

घटना में सुऐब व साकिब दोनो घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने सुऐब को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में शोक व्याप्त हो गया। सूचना पर सीएचसी पहुंची पुलिस ने परिजनों से घटना के विषय में जानकारी ली।

परिजनों के पोस्टमार्टम कराने व कोई कानूनी कार्रवाई करने से इंकार करने पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर परिजनों को सौंप दिया।

वहीं चिकित्सकों का कहना है कि दूसरे घायल साकिब को मामूली चोटे थी उसे उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। बताया जाता है कि बाइक जिस कुत्ते से टकराई थी, वह कुत्ता भी टक्कर से वही मर गया।

सूदखोर लेखपाल व भाजपा नेता खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सूदखोरों के चंगुल में फंसे मौहल्ला लाल सराय निवासी राहुल सैनी ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्याकी थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मृतक की पत्नी की तहरीर पर नगीना पुलिस ने 2 लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू करते हुये 1 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मृतक राहुल की पत्नी मीनाक्षी सैनी द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि नगीना क्षेत्र के अन्तर्गत सूदखोरो का सिंडीकेट बडे पैमाने पर चल रहा है।

सिंडीकेट के प्रमुख विरेन्द्र सैनी निवासी ग्राम खुशाहलपुर, मठेरी वर्तमान निवासी आजाद कलोनी लाईनपार नगीना एवं प्रहलाद कुमार कुशवाह मौहल्ला लाल सराय नगीना तथा इनके साथी सिंडीकेट मैम्बरो ने मेरे पति स्व राहुल सैनी निवासी मौहल्ला लाल सराय को सूदखोरी के चंगुल में फंसा कर व डरा धमका कर तरह-तरह से प्रताड़ित करके अपने व अपने सगे सम्बन्धियो के नाम बिना कोई धनराशि व बिना कोई बैंक ट्रान्जेक्शन एंव चैक दिये बैनामे करा लिये है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि सूदखोरी सिंडीकेट का मुखिया बिरेन्द्र कुमार सैनी पिछले 2015 से मेरे पति को लगातार प्रताडित करता चला आ रहा है। 30 अक्टूबर 2025 को पति के आत्महत्या करने तक लगातार मोबाईल पर व मौखिक रूप से उपस्थित होकर जान से मारने की धमकी देकर शेष उपलब्ध भूमि का बैनामा अपने नाम करने का दबाव बना रहा था। इसने हमारी भूमि पर जोर जबरदश्ती गुण्डागर्दी करके राश्ते का निमार्ण भी कर लिया है।

बैनामो में बैंक के द्वारा अथवा किसी अन्य माध्यम से धनराशि केवल प्रदर्शित की गयी है। लेकिन क्रेता अथवा मुझे (पत्नी) को प्राप्त नही हुयी है। यह सभी बैनामे डरा धमका कर मेरे पति को प्रताडित करके बिरेन्द्र कुमार सैनी तथा प्रहलाद कुशवाह ने अपने तथा अपने सिंडीकेट के साथियो को करवाये है।

यह सूदखोर सिंडीकेट मेरे पति को लगातार प्रताड़ित करके आत्म हत्या करने पर मजबूर करता रहे हैं ।इनकी अत्यधिक प्रताडना एंव जान से मारने की धमकी के चलते मेरे पति को अपना जीवन समाप्त करना पडा। वह अपने पीछे 3 वर्ष व 7 वर्ष के दो छोटे - छोटे बच्चे छोड़ गये, तथा मैं बची हूँ।

जिसके सामने बच्चो के लालन पालन एंव उनके भविष्य के लिये कोई योजना अथवा रोजगार नहीं है। तहरीर में यह भी कहा गया है कि यह सिर्डकिट नगीना नगर मे इससे पूर्व भी इसी भांति अपनी सूदखोरी के अवैध धंधे के चलते पांच लोगो को इसी प्रकार प्रत्ताडित करके आत्म हत्या करने पर मजबूर कर चुका है।

जिनके परिवार भी आज दर-दर भटक रहे है। इस सन्दर्भ में जांच करवाई जा सकती है, तहरीर में यह भी कहा गया है कि उसके पति राहुल सैनी ने प्रहलाद से वर्ष 2022 में लगभग 50 हजार रुपया उधार लिया था। उसके बाद प्रहलाद से राहुल को सूद के पैसो को बढाकर इनकी भूमि को अपने नाम करा लिया है।

पुलिस को दी गई तहरीर में मीनाक्षी सैनी ने अपने पति राहुल सैनी की मौत का जिम्मेदार विरेंद्र सैनी व प्रहलाद कुशवाहा सहित सिंडिकेट के उनके साथियों को जिम्मेदार ठहराते हुये मामले मे रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। जिससे इनके चंगुल में फंसकर भविष्य में कोई परिवार अपना बेटा, भाई व पति न खो सके।

मृतक की पत्नी मीनाक्षी की तहरीर पर पुलिस ने विरेंद्र सैनी व प्रहलाद के विरुद्ध बीएनएस की धारा 108 में रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। मामले की जांच सीओ नगीना को सोंपी गई है। मामले का 1 आरोपी लेखपाल विरेंद्र सैनी नजीबाबाद तहसील में तैनात बताया जा रहा हैं। जबकि भाजपा नेता प्रहलाद कुशवाह नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष का चुनाव लड़ चुका है।

मंगलवार की सांय को पुलिस ने मामले के 1 आरोपी विरेंद्र सैनी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की। उधर हमारे सवांददाता ने थाना प्रभारी अवनीत मान से सीयूजी नम्बर पर कॉल करके मामले में जानकारी करनी चाही तो उन्होंने कई बार कॉल करने पर भी कॉल रिसीव नहीं और कॉल डिस्कनेक्ट कर दी।

शीशे की दुकान में दबने से मासूम की मौत, 1 घायल

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। कवि नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनडीआरएफ रोड पर स्थित एक शीशे की दुकान में बड़ा हादसा हो गया। दुकान में रखे भारी-भरकम शीशे अचानक गिरने से दुकान मालिक और एक मासूम बच्चा उनके नीचे दब गए। इस हादसे में 12 वर्षीय कैफ की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दुकान मालिक घायल हो गए।

घटना देर रात लगभग 8:30 बजे एनडीआरएफ रोड पर एके नाम की शीशे और अल्युमिनियम की दुकान पर हुई। यह दुकान कादिर नामक शख्स की है। हादसे के वक्त दुकान में मालिक कादिर के साथ 12 साल का मासूम कैफ भी मौजूद था। तभी अचानक से दुकान में रखे शीशे ताबड़तोड़ दोनों के ऊपर गिर पड़े।

शीशे की अनगिनत परतें, जो करीब 5 फीट तक ऊंची थीं, के नीचे दोनों दब गए। हादसे की जगह एनडीआरएफ बटालियन के पास होने के कारण राहत कार्य तत्काल शुरू हो गया। सबसे पहले स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े और उन्होंने शीशे तोड़ने शुरू किए।

घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ के जवान भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। पुलिस को सूचना दिए जाने पर तत्काल एंबुलेंस भी बुलाई गई। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दबे हुए लोगों को शीशे तोड़कर बाहर निकाला जा सका। एसीपी कवि नगर, सूर्य बली मौर्य ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि रात लगभग 8:30 बजे यह घटना हुई।

सर्व साधारण सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर-2 सी में स्थित भवन संख्या-2सी/304 श्री जय किशन मीणा पुत्र श्री मोलबी राम मीणा के पक्ष में प्रदेशन पत्र संख्या-1693 दिनांक 23.03.2006 द्वारा निर्गत किया गया है। आवंटन उपरान्त आवंटी द्वारा भवन का विक्रय विलेख दिनांक 22.01.2007 को अपने पक्ष में निष्पादित करा लिया है। विक्रय विलेख निष्पादन उपरान्त आवंटी श्री जय किशन मीणा ने दिनांक 09.03.2007 को खण्ड कार्यालय से भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया है। श्रीमती विमला मीणा पत्नी स्व० श्री जय किशन मीणा, निवासी-म०नं0-304, सैक्टर-2 सी, वसुन्धरा गाजियाबाद ने अपने प्रार्थना पत्र दिनांक 10.09.2025 द्वारा कार्यालय में सूचित किया है, कि उनके पति श्री जय किशन मीणा का स्वर्गवास दिनांक 03.05.2025 को हो गया है। मृत्योपरान्त भवन का अन्तरण परिषद अभिलेखों में मृतक के वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर अपने नाम में कराना चाहती है, जिसके लिए श्रीमती विमला मीणा द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये गये हैं। स्व० श्री जय किशन मीणा का प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रू0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हस्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कराकर समस्त प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं।

अतः स्व० श्री जय किशन मीणा पुत्र श्री मोलबी राम मीणा की मृत्यु उपरान्त भवन का अन्तरण मृतक के पारिवारिक सदस्यों की सूची के आधार पर उक्त सम्पत्ति में श्रीमती विमला मीणा पत्नी स्व० श्री जय किशन मीणा का नाम अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करें, अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

संपादकीय

बिहार में क्या यही है 'सुशासन' के दावों की हक़ीक़त ?

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है। दावों प्रतिदावों और आरोपों व प्रत्यारोपों का दौर अपने चरम पर है। सत्ता की तरफ़ से चुनाव जीतने के लिये सबसे अधिक ज़ोर लगाया जा रहा है। हरियाणा सहित कई अन्य भाजपा शासित राज्यों से तो बिहारी मतदाताओं को विशेष ट्रेन्स द्वारा मतदान करने हेतु बिहार भेजा जा रहा है।

उधर भाजपा स्टार प्रचारक नीतीश सरकार को 'सुशासन' व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के रूप में प्रचारित करते नहीं थक रहे। परन्तु सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के इन्हीं दावों के बीच कुछ ऐसे सनसनीख़ेज़ रहस्योद्घाटन हो रहे हैं व घटनायें घटित हो रहीं हैं जिन्होंने बिहार में 'सुशासन' व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार की क़लई खोल कर रख दी है। हैरानी की बात तो यह है कि इसतरह के खुलासे दावों की हवा निकालने में किसी सत्ता विरोधी दल या विपक्ष की कोई भूमिका नहीं है बल्कि स्वयं भाजपा-जे डी यू के नेता ही इस 'क़लई खोल अभियान' के मुख्य सूत्रधार हैं।

सबसे पहले तो ज़िक्र करते हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह (आरके सिंह) के बयानों का। आर के सिंह बिहार के आरा से दो बार सांसद रह चुके हैं और मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में वे ऊर्जा मंत्री थे। उनकी गिनती भाजपा के वरिष्ठ नेता के रूप में होती है। सर्वप्रथम तो आर के सिंह ने चुनाव अभियान के बीच ही गत 20 अक्टूबर को एक वीडियो संदेश जारी कर मतदाताओं से अपील की थी कि वे अपराधी और भ्रष्ट छवि वाले उम्मीदवारों को वोट हरगिज़ न दें। उन्होंने विशेष रूप से जेडीयू के मोकामा से उम्मीदवार अनंत सिंह व भाजपा के तारापुर से उम्मीदवार व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम लिया था।

उस सन्देश में सिंह ने यहां तक कहा था कि ऐसे उम्मीदवारों को वोट देना 'चुल्लू भर पानी में डूब मरने' से भी बदतर है, क्योंकि ये 'जनता का ख़ून चूस रहे हैं'। उन्होंने यह भी कहा था कि 'आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को हटाकर ही बिहार का विकास संभव है, और यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हों तो मतदाता नोटा का विकल्प चुनें'। सिंह ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले इसी तरह के कुल 8 उम्मीदवारों के नाम लिए। अब आरके सिंह के इस बयान को भाजपा के अंदर सुलग रही बग़ावत की चिंगारी के रूप में देखा जा रहा है।

आर.के सिंह के उपरोक्त बयानों पर अभी चर्चा चल ही रही थी कि पिछले दिनों उन्होंने बिजली घोटाला सम्बन्धी एक और बड़ा धमाका कर दिया। उन्होंने बिहार की एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ये आरोप मुख्य रूप से बिहार में बिजली विभाग से जुड़े 62,000 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित हैं, जो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के ठीक पहले यानी गत 4 नवंबर को सामने लाये गये हैं। इन आरोपों के अनुसार बिहार सरकार ने एक थर्मल पावर प्लांट के निर्माण के लिए अदानी ग्रुप से सम्बंधित एक कंपनी को अत्यधिक ऊंची क़ीमत पर अनुबंध दिया।

इस अनुबंध के तहत कंपनी को 25 वर्षों के लिए बिजली की क़ीमत 6.075 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई, जो बाज़ार दर से काफ़ी अधिक है। इससे सरकार को पूंजी की वापसी के साथ-साथ अतिरिक्त लाभ होगा, जो कुल 62,000 करोड़ रुपये का नुक़सान बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को पहुंचाएगा।

उन्होंने बिहार सरकार के बिजली विभाग के कई अधिकारियों को इस घोटाले के लिये आरोपित करते हुये सीबीआई से इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके। सिंह का आरोप है कि यह घोटाला सीधे तौर पर बिहार के लोगों को प्रभावित करेगा, क्योंकि बिजली के दाम बढ़ेंगे। इससे पहले भी आर के सिंह राज्य की 'सुशासन' कही जाने वाली नीतीश सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगा चुके हैं। परन्तु चुनावों के बीच उनके द्वारा लगाये जा रहे उपरोक्त गंभीर आरोपों ने बिहार में कोहराम मचा दिया है। विपक्षी महागठबंधन इन आरोपों को अपने हथियार के तौर पर इश्तेमाल कर रहा है।

दूसरी बड़ी घटना केंद्रीय मंत्री लल्लन सिंह से संबंधित है। गत 4 नवंबरको पटना ज़िला प्रशासन ने लल्लन सिंह के विरुद्ध एफ़ आई आर दर्ज की है। ललन सिंह ने मोकामा में जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह जोकि इस समय दुलारचंद यादव हत्याकांड के मामले में बेऊर जेल में बंद हैं के समर्थन में किये जा रहे प्रचार के दौरान एक सभा में कहा कि 'कुछ नेताओं को वोटिंग के दिन घर में बंद कर दो। घर से उसी को निकलने दो जो हमारे पक्ष में वोट करे। अगर ज़्यादा हाथ-पैर जोड़े तो अपने साथ ले जाकर वोट गिराने देना है।" ग़ौर तलब है कि अनंत सिंह की गिरफ़्तारी के बाद ललन सिंह ही उनके चुनाव प्रचार की कमान संभाल रहे थे। विपक्ष ने ललन सिंह के इस बयान को 'लोकतंत्र पर हमला' बताया और कहा कि यह ग़रीब वोटरों को डराने की साज़िश है।

अब इन घटनाओं व बयानों के सन्दर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दावों का ज़िक्र भी ज़रूरी है। एक ओर तो आर के सिंह व ललन सिंह जैसे भाजपा-जे डी यू के केंद्रीय शतर के नेताओं के बयान बिहार में भ्रष्टाचार, कुशासन व जंगल राज की तस्वीर पेश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ़ गृह मंत्री अमित शाह इन्हीं चुनाव प्रचार के दौरान जनसभाओं में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार को 'भ्रष्टाचार मुक्त' सरकार का प्रमाणपत्र दे रहे हैं। शाह के अनुसार नीतीश कुमार पर 'चवन्नी के भ्रष्टाचार' का भी आरोप नहीं लगा है'। उनके अनुसार केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार, जिन पर चार आने का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, वे ही बिहार का विकास कर सकते हैं।"

वे केंद्र में मोदी सरकार के 11 वर्षों और बिहार में नीतीश के 20 वर्षों के शासन को 'भ्रष्टाचार मुक्त' बताते हैं जबकि विपक्ष पर घोटालों का आरोप लगाने के साथ ही लालू यादव के 20 वर्ष पूर्व के कथित 'जंगल राज' की भी याद दिलाना नहीं भूलते। ऐसे में आर के सिंह के व लल्लन सिंह जैसे सत्ता से जुड़े केंद्रीय नेताओं के ही बयान क्या यह सवाल नहीं खड़ा करते कि क्या यही है बिहार में 'सुशासन' के दावों की हक़ीक़त?

भारत की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लुप्त

डॉ. वरिंदर भाटिया

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस देश के पहले शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित मौलाना अबुल कलाम आजाद की याद में हर 11 नवम्बर को मनाया जाता है। वैधानिक रूप से इसका प्रारम्भ वर्ष 2008 से किया गया है। मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म 11 नवम्बर 1888 को हुआ था। वे भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे।

मौलाना आजाद एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, कट्टर राष्ट्रवादी और दूरदर्शी शिक्षाविद थे। वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अद्वितीय थी। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग समाज को बदलने और जनता को सशक्त बनाने के लिए किया जा सकता है। भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने देश की आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव रखी।

उनके अथक प्रयासों से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की स्थापना हुई। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रणाली, लेकिन, भारत अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणाली है, जिसमें 1100 विश्वविद्यालयों सहित 56000 से अधिक उच्च शैक्षणिक संस्थानों में 4.3 करोड़ (43 मिलियन) से अधिक छात्र हैं।

हालांकि जहां तक सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) का सवाल है, हमारे देश में चार में से केवल एक युवा को उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज जाने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का एक प्रशंसनीय लक्ष्य 2035 तक जीईआर को दोगुना कर 50 फीसदी करना है। इसके अलावा विश्व शतर पर चीन के बाद भारत अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। 2017 से 2022 तक 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र उच्च अध्ययन के लिए विदेश गए।

अमेरिका सबसे लोकप्रिय गंतव्य है, जहां 4.65 लाख छात्र रहते हैं। इसके बाद कनाडा (1.83 लाख छात्र), संयुक्त अरब अमीरात (1.64 लाख छात्र) और ऑस्ट्रेलिया (1 लाख छात्र) हैं। भारतीय छात्र अब विश्व शतर पर 240 से अधिक देशों में पढ़ते हैं। उज्बेकिश्तान, फिलीपींस, रूस, आयरलैंड और किर्गिश्तान जैसे देशों में रुचि बढ़ रही है।

कुल मिलाकर, 11.30 लाख से अधिक भारतीय छात्र वर्तमान में विदेशी कॉलेजों में पढ़ रहे हैं। दूसरी ओर, 2021 में भारत में केवल 48000 विदेशी राष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ, जिनमें पड़ोसी देशों से आने वाले छात्रों की संख्या सबसे अधिक थी।

इसका मतलब है कि भारत अभी भी अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने के मामले में शुरुआती चरण में है, जो इस तथ्य से परिलक्षित होता है कि 45 लाख (4.5 मिलियन) अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से केवल 0.6 फीसदी ही भारत को पसंद करते हैं। यहां तक कि उन छात्रों ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और दिल्ली जैसे राज्यों में स्थित मुट्ठी भर एचईआई को प्राथमिकता दी, लेकिन अन्य को नहीं। इस पृष्ठभूमि में, एनईपी देश की अत्यधिक विनियमित, नौकरशाही और काफी हद तक बंद शैक्षणिक प्रणाली को दुनिया के लिए खोलने का वादा करती है।

2022 में यूजीसी ने कुछ पात्र विदेशी संस्थानों (दोनों शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों और अन्य विदेशी संस्थानों) को भारत में कैंपस स्थापित करने की अनुमति देने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (अंतरराष्ट्रीय शाखा परिसरों और अपतटीय शिक्षा केंद्रों की स्थापना और संचालन) पर विनियम जारी किए।

प्राथमिक शिक्षा से लेकर संपूर्ण शिक्षा प्रणाली में सुधार किए बिना अकेले यह उपाय देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में कैसे सुधार करेगा, यह स्पष्ट नहीं है। गुणवत्ता मानकों के दृष्टिकोण से, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अत्यधिक असंगत और असंतुलित है। हमारे पास बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा संस्थान हैं जिनकी शिक्षा की गुणवत्ता हमेशा संदिग्ध रहती है। इसी प्रकार, जिन राज्यों में बड़ी संख्या में कॉलेज हैं वे अच्छी संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले कॉलेज बनाने में पीछे हैं।

आज देश में ऐसे कॉलेज कम नहीं हैं, जो कहने को तो कॉलेज हैं, मगर छात्रों के लिए बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय में संबद्ध विद्यालयों का बढ़ता बोझ, पाठ्यक्रमों में बदलाव की मांग और ड्रापऑऊट विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या असली चुनौतियां हैं, जिनका संबंध भी कहीं न कहीं सार्वजनिक शिक्षा के ढहते ढांचे और निजीकरण से ही है। वहीं, उच्च शिक्षा में अध्यापकों के रिक्त पद से जुड़े आंकड़े खुद अपनी हकीकत बताते हैं। इसका बुरा असर उच्च शिक्षा की अकादमिक गुणवत्ता पर पड़ा है।

उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश में देश में सबसे अधिक कॉलेज हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक हैं। लेकिन टॉप 100 कॉलेजों की सूची में यूपी का एक भी कॉलेज शामिल नहीं है। इसमें महाराष्ट्र के बमुश्किल तीन और कर्नाटक के दो कॉलेज शामिल हैं। वाश्तव में 80 फीसदी से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले कॉलेज तीन राज्यों तमिलनाडु, दिल्ली और केरल में हैं। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के मामले में देश भर में भारी असमानताओं की व्यापकता को दर्शाता है। यदि हम विश्वविद्यालयों द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम की बात करें तो इसमें और सामाजिक व्यवहार के बीच भी कोई तालमेल नहीं दिखता।

दरअसल, उच्च शिक्षा की अध्ययन सामग्री उपयोगी और मानवीय आवश्यकताओं पर आधारित कौशल विकास को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। इसी प्रकार, उच्च शिक्षा से ड्रापआऊट होने वाले विद्यार्थियों को रोकना और सकल नामांकन अनुपात बढ़ाना भी इस क्षेत्र की एक बड़ी चुनौती है।

भारत की उच्च शिक्षा में 18 से 23 वर्ष की आयु वर्ग के अंतर्गत सकल नामांकन अनुपात काफी कम है, जो अन्य विकसित और कई विकासशील देशों की तुलना में बहुत कम है। इससे स्पष्ट होता है कि आज भी देश के करीब 74 प्रतिशत युवा उच्च शिक्षा से बाहर हो जाते हैं। इससे जाहिर होता है कि सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर देना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना आज भी दूर का सपना है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय किए जा सकते हैं। शिक्षकों को नियमित और उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए, ताकि वे नवीनतम शिक्षण विधियों और तकनीकों से लैस हो सकें।

पाठ्यक्रम को समसामयिक और व्यावहारिक बनाए रखना आवश्यक है, जिससे छात्रों को वाश्तविक जीवन में उपयोगी ज्ञान प्राप्त हो। कक्षाओं में आधुनिक तकनीक और डिजिटल उपकरणों का समुचित उपयोग किया जाना चाहिए, जिससे सीखने की प्रक्रिया प्रभावी हो। उच्च शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए। शिक्षा में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

योग्यतानुसार शिक्षकों का निष्पक्ष चयन होना चाहिए। देश में समान पाठ्यक्रम के लिए समान फीस लागू होनी चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता तकनीक के सदुपयोग से बढ़ाई जा सकती हैं। सीखना ही पर्याप्त नहीं है, उपयोग में लेना भी जरूरी है।

सैद्धांतिक शिक्षा महत्वपूर्ण हैं परंतु व्यावहारिक शिक्षा अति महत्वपूर्ण है। असली शिक्षा वह है जो हमारे काम और व्यवहार में झलके। शिक्षा से जुड़े विद्वानों और शिक्षा नीति विशेषज्ञों को इस पर विचार करना ही होगा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। भारत का पुराना गौरव अभी वापस भारत को दिलाना शेष है।

बिहार में चौपालों में एक ही गूंज है, एक ही आवाज? कौन थामेगा कमान?

कांतिलाल मांडोत

हर राज्य में हार के बाद कांग्रेस और महागठबंधन को अब मान लेना चाहिए कि फिलहाल केंद्र हो या राज्य में राज करने का समय नही है। दुनिया भर में राष्ट्र वाद के उभार को देखते हुए यह वक्त अब रास्ट्रीय स्वयं सेवक के रथ पर बैठकर सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी का है और नरेंद्र मोदी व अमित शाह उसके सारथी है।

राष्ट्रवाद के इस दौर की उम्र भले ही वैश्विकवाद व उदारवाद से थोड़ी कम रहे पर 50 साल से तो कम नही है। क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल ने भी मंच से कहा है कि भाजपा 50 साल सत्ता से नही उतरेगी। निर्भर यह रहेगा कि इसके सारथी जिस तरह से विकास और भारत को बुलंदियों तक पहुंचा रहे है वैसे ही यह सिलसिला चलता रहेगा ?जिस तरह से मोदी और भाजपा देश को समावेशी व कल्याणकारी बनाते आ रहे है।

ऐसे में कांग्रेस के पास और महागठबंधन करने के लिए अब दो काम है। वह अपनी भूमिका को पहचाने और उसके लिए काम करे, और दूसरा राज्यो में अपने बचे हुए अशितत्व को प्रभावी बनाने के लिए कुछ ठोस फैसला ले। क्योकि जिस इंदिरा गांधी की बात बिहार चुनाव में कर रहे है। उनका इतिहास शायद राहुल ने नही पढा है। क्योंकि हिन्दू और हिन्दुत्व की बात कर लीपापोती करने वाले राहुल जैसा ही उनके पूर्वजो ने किया है।

तुष्टिकरण की इस राजनीति ने राहुल और कांग्रेस को धराशायी कर दिया है। अनपढ़ और निरक्षर मतदाता अब नही है। मोबाइल और इंटरनेट से जुड़े इस भारतीय समाज के लिए मुश्किल डगर नही है। शिक्षित समाज को राहुल गुमराह नही कर सकता है। बिहार चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प, अडानी और अम्बानी पर मोदी को निशाना बनाने वाले राहुल गांधी को यह आभास नही है कि विदेश नीति पर क्या बोलना चाहिए और क्या नही बोलना चाहिए।

क्योंकि भारतीय विदेश नीति वर्तमान में सबसे अच्छी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की नीतियां आज दुनिया के सभी देशों को भा गई है। राजनीति और व्यवहारिक ज्ञान नही होने से देश चलाने में मुश्किले आती है। भारत को बुलंदियों पर पहुंचाने वाले नेताओं को हर बात की समझ है। नालन्दा विश्वविद्यालय की बात करने वाले राहुल को ज्ञात होना चाहिए कि इस धरोहर के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। भाजपा का शासन दस वर्ष से आया है।

लेकिन 60 सालों तक कांग्रेस की सत्ता रही है। अतिपिछड़ों की हालत कांग्रेस की देन है। अब महागठबंधन वोट लेने के लिए दलित, आदिवासी और यादव की शरण मे गए है। इनकी दुर्दशा महागठबंधन ने ही की है। बिहार में मेनिफेस्टो बताकर मतदाताओ का मिजाज भांपने निकली राजनैतिक पार्टियां अब विकाशील दल के साथ जाने का पूरा मन बना लिया है। बिहार अब वो बिहार नही रहा है जहां लालू की धोस से जनता मजबूर थी।

बिहार ने अनन्तसिंह की गिरफ्तारी से सियासत गरमा गई है। मोदी ने आरा में सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिहार की जनता ने ठान लिया है कि अब फिर से एनडीए की सरकार बनाने का मन बना लिया है। बिहार विधानसभा में धनबल और बाहुबल का खुलेआम प्रदर्शन किया जा रहा है। बाहुबलियों की सम्पति करोड़ो में है। वे चुनाव मैदान में है। मुंगेर के लिए प्रचार प्रसार करने पहुंचे नेताओ और जनता के बीच समन्यव स्थापित करने के लिए चर्चा की जा रही है।

स्थानीय लोगो के मुद्दे भी हावी है। बिहार में प्रियंका और तेजस्वी अपराध की बात करते सुनाई दिए है। जिस पार्टियो ने देश की आजादी के बाद लोगो की विरासत में कट्टा, क्रूरता और कुशासन ही दिया है। उनके मुह से यह बात शोभा नही देती है। कांग्रेस की अराजकता पूरा देश जानता है। जंगलराज वाले नीतीश सरकार पर जंगलराज का आरोप लगा रहे है। यह तो वही हुआ कि चोर कोतवाल को डण्डे। महिला सुरक्षा की बात दोहराई जा रही है। लेकिन एनडीए की पहली प्राथमिकता रही है कि महिलाओ और बेटियों की सुरक्षा सबसे पहले अमल में रखी जाती है।

यह समय महागठबंधन के लिए हताशा का है। क्योंकि कांग्रेस कई सालों से सत्ता से बाहर है और उसकी हड्डियो में भर गए आलस को दूर कर अपने को नए जोश और सोच भरने का कार्य करना चाहिए। कुदरत ने उसे नए रूपांतरण का समय दिया है। आजादी से पहले से ही नेहरू परिवार की प्रधानता रही और आजादी के बाद तो खुद कांग्रेसी ही उस परिवार के बिना अपने अशितत्व की कल्पना नही कर सके। नेहरू गांधी परिवार इस देश पर कब्जा जमाना रखना चाहता है। कांग्रेस के दिग्गज नेता अपने बल पर खड़े हो पार्टी को आगे ले जाने की हिमत ही नही रखते। क्योकि कांग्रेस खोई हुई राजनीति को वापस प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। लेकिन जिस तरह सेक्युलवाद की आड़ में देश के साथ जो व्यवहार किया गया था अब वह शिक्षित समाज के लिए किसी घुसपैठ से कम नही है।

कांग्रेस के नेता राज परिवार को बाहर लाए थे और आज वे उसी युवराज की राजनैतिक अपरिपक्वता से चुभन महसूस कर रहे है। राहुल किस समय क्या बोल देते है। उसी का कारण है कि कांग्रेस हाशिये में चली जाती है।

राहुल कहते है कि मैं इतना आरोप लगा रहा हूं लेकिन मोदी मेरे आरोपो का जवाब क्यों नही देते है ?यह राहुल और कांग्रेस को समझना चाहिए ?क्योंकि बिना जवाब दिए ही कांग्रेस का पतन दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। जिस मुद्दे के लिए कांग्रेस को लड़ना चाहिए, उस मुद्दे को छोड़कर सीधा हमला मोदी पर ही किया जा रहा है। इसलिए कांग्रेस के लिए ठीक नही है। महागठबंधन की परीक्षा की घड़ी है।

आर्थिक और सामाजिक शतर पर मोदी ने कई फैसले लिए है। और मोदी आगे बढ़ा रहे है। मोदी और भाजपा का एक ही सपना है कि देश दुनिया की महासत्ता बने, लेकिन महागठबंधन के पास देश को समृद्धिशाली बनाने का विजन नही है। रास्ट्रीय पार्टी को तीसरे टर्म तक सफलता पूर्वक सता में बनाए रख पाना राजनीतिक व कूटनीति समझ के बिना संभव नही है। दुनिया मे भारत की विदेश नीति एक महत्वपूर्ण शतर तक पहुंच गई है।

वही कांग्रेस विदेशो में लोकतंत्र और मोदी की बुराई करके वाहवाही लूटने के असफल प्रयास करते है। मोदी और संविधान पर निशाना साधने वाले नेता भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रयास कर सकते है ?आज कांग्रेस के पास जनाधार रखने वाले नेताओं की पार्टी में कमी महसूस की जा रही है। शायद राहुल गांधी की सक्रिय राजनीति में कोई रुचि नही दिखती है।

अगर रुचि होती तो मुद्दे पर सियासत करने की जगह सीधा मोदी पर जूठा आरोप लगाकर करोड़ो लोगो की आस्था पर कुठाराघात कर रहे है। राहुल अपनी जिम्मेदारी समझे ?पार्टी में दूरदर्शिता, तुरन्त फैसले लेने की क्षमता, साहस व लोगो को अपने साथ जोड़ने मि क्षमता रखने वाले नेताओं की कांग्रेस में कमी है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में अब तक सबसे ताकतवर नेता मोदी है जिनकी पटकनी कुटिल राजनीति के जानकार भी नही दे सकते है। मोदी को देवतुल्य मानने वालों की कमी नही है। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजयसिंह दिग्गी ने जीता हुआ गोवा भी भाजपा ने छींन कर अपनी झोली में डाल दिया।

कांग्रेस के बड़े दिग्गज नेता आज या तो भाजपा में है या राजनैतिक सन्यासी बन गए है। कांग्रेस की नीतियों को आज कोई समर्थन नही करता है। तुष्टिकरण की रेस में कांग्रेस फिस्सडी साबित हुई है। भाजपा के घाघ नेता मोदी और अमित शाह की जोड़ी की चालो के सामने नाकाम हो रहे है।

कांग्रेस के सामने चुनौतियो को देखते हुए फिर से मंथन करने की जरूरत है। धीरे धीरे गांधी परिवार कांग्रेस को पीछे ले जा रहा है। शायद कांग्रेस के लिए अब राह आसान नही है। राहुल जिस तरह से मोदी पर अनर्गल बयानबाजी करते नजर आ रहे है। वही पर कांग्रेस की बैचेनी बढ़ती जा रही है। महागठबंधन के दावे, वादे टाय टाय फीस होते नजर आ रहे है। राहुल गांधी को नेहरू गांधी परिवार के एक ऐसे अंतिम व कमजोर व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा। जिसके नेतृत्व में पार्टी रसातल में आते आते अपने ही मौत मर गई है। राहुल में अगर दम है तो कांग्रेस की विचारधारा को बदलकर नए सिरे से पार्टी को खड़ा करने की फिर से कोशिश करे।

अभी तो सारा दोष राहुल के मत्थे मढ दिया है लेकिन पुराने व नए केंद्र और राज्य में बैठे नेता खुद बताएं कि वे पार्टी को कैसे आगे ले जाने की क्षमता रखते है। कांग्रेस ने कर्नाटक में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने का मन बनाया था। लेकिन हाईकोर्ट ने फैसला देते हुए कांग्रेस को लताड़ लगाई। इस तरह की मानसिकता वाली कांग्रेस के लिए क्या कहना है। रास्ट्रीय राजनैतिक पार्टी को 30 साल से सत्ता से बाहर रहना बड़ा मुश्किल कार्य है।

30 साल का मतदाता कांग्रेस को जानता और समझ नही सकता है। महागठबंधन की जीत या हार कांग्रेस के स्थान को तय करेंगी। लेकिन यह जवाबदेही खुद अकेले राहुल की नही है। यह पार्टी आलाकमान की भी है। आजादी के बाद कई वर्षों तक सता में रही कांग्रेस ने समाज को जोड़ा ही नही था।

बच्चे, बूढ़े, युवक, महिलाओं, गरीबो के जीवन शतर को ऊपर उठाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण आदि के कार्य में कोई परिवर्तन नही आया। आज भाजपा भारत की सर्वोच्च सता हासिल कर अपने हिंदुव के एजेंडे को कार्यरूप देने में लगा है। कांग्रेस ने इतने वर्षों में अपने जनाधार वाले सभी संगठनो को मार डाला। दुरुश्त लोगो के मन मे समाई कांग्रेस ने सत्ता सुख में डूब जाने के बाद वह सभी भुला दिए गए। विभिन्न राज्यो में एक के बाद एक राज्य में हार इस बात का कारण है कि वक्त आ गया है कि कांग्रेस अपनी नई भूमिका में फिर से रचनात्मक कार्यो की और मोडे।

अपने खोए हुए जनाधार वापस पाने के लिये ही नही, बचे हुए जनाधार बचाने के लिए भी यही जरूरी है। कांग्रेस को मंथन करना है अगर इसी तरह चलता रहा तो कांग्रेस के दिन बहुत कठिन आने वाले है। विकास के नाम पर कांग्रेस की चुप्पी उसे कांग्रेस से दूर करने के लिए काफी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आदर्श युवा ग्राम सभा : जमीनी लोकतंत्र की नई पहल

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है, जहाँ शासन व्यवस्था की आत्मा जनता की भागीदारी में निहित है। संविधान ने पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण भारत को शासन की बुनियाद से जोड़ा है। लेकिन विडंबना यह रही कि युवा वर्ग, जो किसी भी समाज की सबसे ऊर्जावान और रचनात्मक शक्ति होता है, स्थानीय शासन व्यवस्था से लंबे समय तक अपेक्षाकृत दूर रहा। इस परिप्रेक्ष्य में "आदर्श युवा ग्राम सभा" पहल एक नई उम्मीद के रूप में उभरी है, जो छात्रों और युवाओं को लोकतंत्र के व्यवहारिक पाठ से परिचित कराते हुए उन्हें सक्रिय नागरिकता की ओर प्रेरित करती है।

यह पहल वास्तव में एक प्रयोगात्मक लोकतंत्र की प्रयोगशाला है, जहाँ छात्र केवल दर्शक नहीं बल्कि प्रतिभागी बनते हैं। यहाँ वे ग्राम शतर के निर्णयों, पंचायत की कार्यप्रणाली, सामाजिक समस्याओं और विकास योजनाओं को न केवल समझते हैं बल्कि उनमें अपने सुझाव और विचार भी रखते हैं। इस प्रकार यह कार्यक्रम लोकतंत्र को मात्र चुनाव तक सीमित रखने के बजाय उसे निरंतर संवाद, विचार और जिम्मेदारी की प्रक्रिया में परिवर्तित करता है।

भारतीय लोकतंत्र का वाश्तविक सार 'जन भागीदारी' है। संविधान के अनुच्छेद 40 के अनुसार, राज्य का कर्तव्य है कि वह ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाए। किंतु जब तक समाज का युवा वर्ग इसमें शामिल नहीं होगा, तब तक यह सशक्तिकरण अधूरा रहेगा। आदर्श युवा ग्राम सभा इस कमी को पूरा करती है। इसमें युवाओं को पंचायत की नीतियों, ग्राम विकास योजनाओं, वित्तीय पारदर्शिता और सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श का अवसर मिलता है। इससे उनमें न केवल राजनीतिक जागरूकता आती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति के प्रति गहरा सम्मान भी विकसित होता है।

युवा वर्ग में शासन की समझ और सामाजिक उत्तरदायित्व का भाव विकसित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह पहल उस दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि अगली पीढ़ी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि दायित्वों को निभाने वाली भी बने।

पारदर्शी और उत्तरदायी शासन तभी संभव है जब नागरिक उसकी प्रक्रियाओं को समझें और उनमें भागीदारी करें। आदर्श युवा ग्राम सभा इस दृष्टि से एक प्रेरणादायी मॉडल है।

इसमें छात्र पंचायत सदस्यों के साथ बैठकर योजनाओं की प्राथमिकता तय करते हैं, बजट का विश्लेषण करते हैं और जनकल्याण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हैं। इस तरह लोकतंत्र केवल कागजों में नहीं, बल्कि व्यवहार में उतरता है।

यह पहल ग्रामीण शतर पर नवाचार को भी प्रोत्साहित करती है। युवा अपनी शिक्षा और तकनीकी समझ के आधार पर ग्राम पंचायतों को आधुनिक समाधान सुझा सकते हैं-जैसे डिजिटल रिकॉर्ड प्रणाली, जल संरक्षण के नए उपाय, अपशिष्ट प्रबंधन के स्थानीय मॉडल आदि। इससे विकास योजनाओं की गुणवत्ता और स्थायित्व दोनों में सुधार होता है। आदर्श युवा ग्राम सभा शिक्षा को केवल पुश्तक ज्ञान तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे व्यवहारिक लोकतंत्र से जोड़ती है। छात्रों को ग्राम सभा की बैठकों में शामिल होने, प्रश्ताव रखने और चर्चा में भाग लेने के अवसर दिए जाते हैं। यह अनुभव उन्हें नेतृत्व, संप्रेषण कौशल और निर्णय क्षमता सिखाता है।

वाश्तव में, यह पहल नागरिक शिक्षा का सबसे व्यवहारिक रूप है। जब छात्र स्वयं ग्राम विकास के निर्णयों में भाग लेते हैं, तब वे "लोकतंत्र" शब्द का अर्थ पुश्तकों से नहीं, अनुभव से सीखते हैं। यही वह प्रक्रिया है जो भारत के भविष्य के नेताओं और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करती है।

सा मा जि क समरसता और समावेशन की दिशा में कदम

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी समावेशिता है। आदर्श युवा ग्राम सभा विभिन्न वर्गों, जातियों और लिंगों के छात्रों को एक साझा मंच देती है जहाँ वे समान रूप से भाग ले सकते हैं। यह ग्रामीण समाज में सामाजिक समरसता और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ाती है।

विशेष रूप से ग्रामीण बालिकाओं के लिए यह पहल आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का साधन बन सकती है। जब वे सार्वजनिक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनती हैं, तो परिवार और समाज में उनके विचारों को मान्यता मिलने लगती है। यह परिवर्तन धीरे-धीरे सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने में सहायक हो सकता है।

लोकतंत्र के स्थायित्व की आधारशिला

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में नागरिक चेतना और भागीदारी का शतर ही उसकी सफलता तय करता है। आदर्श युवा ग्राम सभा लोकतंत्र को केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति के रूप में स्थापित करती है। इससे लोकतंत्र "ऊपर से नीचे" नहीं, बल्कि "नीचे से ऊपर" की दिशा में मजबूत होता है।

इस पहल से यह सुनिश्चित होता है कि अगली पीढ़ी लोकतंत्र के प्रति केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि बौद्धिक और नैतिक रूप से भी समर्पित हो। जब युवा स्थानीय शासन को समझते हैं, उसमें भाग लेते हैं और उसकी कमियों को सुधारने का प्रयास करते हैं, तब लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं।

देश के विभिन्न राज्यों में इस तरह की ग्राम सभाएँ प्रारंभिक शतर पर प्रायोगिक रूप में चल रही हैं। जहाँ भी इन्हें लागू किया गया है, वहाँ ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता बढ़ी है, जनजागरूकता में सुधार आया है और ग्रामीण युवाओं में नेतृत्व की नई लहर देखी गई है।

इस पहल से ग्रामीण शासन में "ओनरशिप" की भावना विकसित होती है। जब विद्यार्थी अपने गाँव की परियोजनाओं, स्वच्छता अभियानों, शिक्षा कार्यक्रमों या स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा करते हैं, तब वे अपने गाँव को केवल निवास स्थान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का क्षेत्र मानने लगते हैं।

"आदर्श युवा ग्राम सभा" भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में नई चेतना का संचार करने वाली पहल है। यह न केवल स्थानीय शासन में युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करती है, बल्कि भविष्य के नागरिकों को जिम्मेदार, जागरूक और संवेदनशील बनाने की दिशा में भी अग्रसर है।

यदि इसे संस्थागत रूप से स्कूलों और पंचायतों में जोड़ा जाए, तो यह भारत के ग्रामीण लोकतंत्र की तस्वीर बदल सकती है। यह पहल दिखाती है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, विचारों को सुनने और भविष्य को गढ़ने की सतत प्रक्रिया है।

भारत के युवाओं की सहभागिता से सशक्त यह ग्राम सभा आने वाले वर्षों में "भागीदारी लोकतंत्र" की सबसे मजबूत नींव

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

पिस्टल से चली गोली युवक के पेट में लगी

अलीगढ़, एजेंसी। क्षेत्र के गांव नगरिया में एक युवक की पिस्टल से चली गोली लग गई। गोली उसके पेट में लगी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए आगरा ले गए। वहां ऑपरेशन कर गोली को उसके पेट से निकाला गया। तबीयत में सुधार होने पर परिजन उसे लेकर कोतवाली पहुंचे और इस संबंध में तहरीर दी। गांव नगरिया निवासी सुरेशचंद्र ने कोतवाली में तहरीर देकर कहा है कि उनका पुत्र रोहित कुमार गांव में एक चिकित्सक के यहां सहायक का काम करता था। सात अक्तूबर को जब उनका पुत्र काम कर रहा था तो चिकित्सक ने जान मारने की नीयत से उसे अपनी पिस्टल से गोली मार दी। गोली मारने के बाद वह उसके पुत्र को लेकर आगरा चला गया और उसे फोन पर बताया कि उसके पुत्र के साथ दुर्घटना हो गई है। उनकी मां जब चिकित्सक के घर पहुंची तो उसके परिजन फर्श से पर बिखरा खून साफ कर रहे थे। इसके बाद वह आगरा पहुंचे तो चिकित्सक उसे अस्पताल में भर्ती कराकर गायब हो गया। उन्होंने अपने पुत्र का उपचार कराया। गोली उसकी आंत में लगी थी। उनका यह भी आरोप है कि उन्होंने 30 अक्तूबर को कोतवाली में शिकायत की थी, लेकिन पुलिस उन्हें टहलाती रही।

सरयू में पलटी श्रद्धालुओं से भरी छोटी नाव, खलबली- दूसरे छोर पर जा रहे थे नहाने

देवरिया, एजेंसी। नगर स्थित सरयू नदी तट पर बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व पर हजारों श्रद्धालुओं ने ऑस्था की डुबकी लगाते हुए दान-पुण्य किया। नदी तट पर जनसैलाब उमड़ पड़ा था। इसी बीच श्रद्धालुओं से भरी छोटी नाव पलट गई। जिससे नदी तट पर अफरातफरी मच गई। किसी तरह लोगों ने नदी में डूब रहे लोगों को बाहर निकाला। नाव पर अधिकांश महिला-पुरुष सवार थे। सीओ राजेश चतुर्वेदी पानी भरने से नाव पलट गई थी। लेकिन पानी कम होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ है। सभी को सकुशल बाहर निकाल लिया गया है।

दिन में चलाते हैं ऑटो...रात में चोरी, पुलिस ने दबोचा ऐसा गैंग, कारनामे सुन रह जाएंगे हैरान

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना सिकंदरा के महर्षिपुरम में बंद मकान से चोरी करने वाले ऑटो गैंग को पुलिस ने पनवारी मार्ग से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नकदी, कागजात, ऑटो और चोरी में इस्तेमाल औजार बरामद किए हैं। ककरैठा महर्षिपुरम निवासी धर्मेंद्र ने 2 नवंबर को थाने में चोरी का मुकदमा लिखाया था। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह दिवाली मनाने के लिए 19 अक्तूबर को परिवार के साथ गांव धमासियां औरैया गए थे। वहां से 26 अक्तूबर को वापस लौटे। उन्हें घर के ताले टूटे मिले। कमरे से कागज के साथ 1.60 लाख रुपये गायब थे। एसीपी अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि चोरी की शिकायत के बाद पीड़ित के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज से तीन युवक ऑटो से आते-जाते दिखे। जांच में पुलिस ने कमला नगर निवासी अरुण वर्मा, गिरधारी वर्मा और सूरज को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी रोहित अभी फरार है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह चार लोग ऑटो से चोरी के लिए आए थे। गिरधारी वर्मा को ऑटो में ही रखवाली के लिए छोड़ दिया था। अरुण, सूरज और रोहित मकान में ताल तोड़कर घुस गए। घर से 1.20 लाख की नकदी और आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक पासबुक ले गए। पुलिस रोहित की तलाश में जुटी है।

जिला बार के चुनाव में चार पदाधिकारी निर्विरोध चुने

अलीगढ़, एजेंसी। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद पर तीन व सचिव पद पर दो प्रत्याशियों ने दावेदारी की है। एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस ले लिया है, जबकि चार पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुनील कुमार शर्मा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष प्रथम पद पर भगवती प्रसाद बघेल, कनिष्ठ उपाध्यक्ष द्वितीय पद पर ममता कौशिक, सह सचिव तृतीय के लिए दीपक कुमार लवानिया को चुनाव संचालन समिति द्वारा निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट बार हॉल के चुनाव कार्यालय में कनिष्ठ उपाध्यक्ष द्वितीय पद के लिए संदीप कुमार ने नामांकन वापस ले लिया है। वर्तमान में अध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार भारद्वाज, पवन कुमार शर्मा, दिनेश कुमार बंसल, सचिव पद के लिए ललित कुमार उपमन्यु, विनोद कुमार शर्मा बंटी, कोषाध्यक्ष पद के लिए गोविंदशरण गोस्वामी, अखिलेश कुमार प्रेमी, सह सचिव प्रथम पद के लिए कुमारी प्रियंका, संजय वार्ष्णेय, सह सचिव द्वितीय पद के लिए भूपेंद्र प्रताप सिंह व सुरेंद्र सिंह चुनावी मैदान में हैं। इन पदों पर 14 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। इस मौके पर मुख्य चुनाव अधिकारी अजय किशोर अरोड़ा एवं चुनाव अधिकारी दिगंबर सिंह सिसोदिया, दिनेश कुमार देशमुख, ठा. रवेंद्रपाल सिंह, अजय कुमार गुप्ता, प्रवीन कुमार उर्फ पिंटू चौधरी, कृष्णकांत शर्मा आदि मौजूद थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर घाटों पर उमड़ी आस्था की भीड़

लखनऊ, एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार सुबह से ही सरयू नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रामनगरी की आस्था शिखर को स्पर्श करती नजर आई। लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में डुबकी लगाई। यह सिलसिला भोर से ही शुरू हुआ तो पौ फटने के साथ यह और प्रगाढ़ होता गया। सरयू के स्नान घाट से प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाले मार्ग श्रद्धालुओं से पटे पड़े हैं।

30 अक्टूबर को चौदह कोसी परिक्रमा के साथ आरंभ हुए कार्तिक पूर्णिमा मेले के अंतिम पर्व पर स्नान दान व दर्शन-पूजन के लिए पूर्व संध्या से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। पूर्णिमा स्नान को तड़के तीन बजे से ही श्रद्धालुओं का रेला सरयू के

घाटों पर जुटने लगा।

सरयू के समानांतर ही सरयू के घाटों पर आस्था की धारा भी प्रवाहित होती दिखी। कोहरे में अल सुबह सूर्यदेव भले ही देर से चमके, उनसे पहले आस्था का सूर्य जरूर चमक रहा था। सुबह की ठंडक भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं डिगा पाई। श्रद्धालुओं ने पावन सलिला में डुबकी लगाई और सरयू पूजन-अर्चन के बाद गो दान की परंपरा का निर्वहन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पौराणिक पीठ नागेश्वरनाथ में श्रद्धालुओं ने यथा शक्ति और भक्तिभाव से भोले बाबा का अभिषेक किया। यहां लंबी कतार लगी रही। नगरी के आराध्य भगवान राम और उनके प्रिय दूत हनुमंत लला के दरबार बजरंगबली की प्रधानतम पीठ हनुमानगढ़ी, वैष्णव परंपरा की आस्था के केंद्र में रहने वाले कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि आदि मंदिर पर सुबह से दर्शनार्थियों की कतार लगी हुई है।

इसी तरह गोंडा के भौरीगंज स्थित सरयू घाट, पसका त्रिमुहानी और आसपास के सभी तीर्थ स्थलों पर भक्तों ने स्नान, दान और पूजा-अर्चना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की आराधना करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन गंगा या सरयू स्नान, दीपदान और भगवान विष्णु-शिव की उपासना का विशेष महत्व बताया गया है।

श्रीराम जानकी मंदिर के मुख्य पुजारी महंत गोकरण दास ने कहा कार्तिक पूर्णिमा के दिन किया गया स्नान, दान और पूजन अक्षय फल देता है। यही कारण है कि हर वर्ष श्रद्धालु बड़ी संख्या में सरयू तट पर पहुंचते हैं।

सरयू के तट पर स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन किए और प्रसाद अर्पित किया। घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की।

वहीं, अंबेडकरनगर में भी कार्तिक पूर्णिमा का पावन पर्व बुधवार को पूरे जिले में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह होते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ विभिन्न घाटों पर उमड़ पड़ी। आलापुर, राजेसुल्तानपुर और टांडा क्षेत्र के सरयू नदी के घाटों पर हजारों की संख्या में लोगों ने पवित्र स्नान किया। घाटों पर 'हर हर गंगे' और 'जय सरयू मइया' के जयकारों से गूंजता माहौल श्रद्धा और आस्था की भावना को प्रकट कर रहा है।

स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने जरूरतमंदों को दान देकर पुण्य अर्जित किया। मंदिरों में तुलसी पूजन और भगवान की विशेष आरती का आयोजन किया गया। श्रवण धाम, चहोड़ा घाट समेत जिले के प्रमुख घाटों पर शाम को दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें लाखों दीपों से सरयू तट जगमगा उठेगा। पर्व को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए हैं। नगर के प्रमुख मार्गों व घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कार्तिक पूर्णिमा पर काशी में गंगा घाटों पर उमड़े श्रद्धालु, गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

वाराणसी, एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा पर काशी में गंगा घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। अस्सी से राजघाट के साथ ही गंगा गोमती के संगम पर भी स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। मंगलवार की शाम से ही गंगा के तट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। बुधवार की सुबह सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा में पूर्णिमा का स्नान आरंभ हो गया। दोपहर तक स्नान का सिलसिला चलता रहेगा। गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग भी की गई है।

दुधवा नेशनल पार्क पहुंचना हुआ आसान, लखनऊ से मिलेगी सीधी एसी बस

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी से अब दुधवा नेशनल पार्क तक जाना आसान हो गया है। परिवहन निगम ने मंगलवार को लखनऊ से दुधवा के लिए सीधी एसी बस सेवा (यूपी 78 एलटी 2353) की शुरुआत की। कैसरबाग बस अड्डे से इसका संचालन शुरू किया गया है और पहली बस 12 यात्रियों के साथ रवाना हुई। एक यात्री का किराया 487 रुपये तय किया गया है। कैसरबाग से दुधवा पार्क तक की दूरी 227 किमी है।

अवध डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि अभी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह सेवा 15 दिन के लिए शुरू की गई है।

यदि पर्याप्त संख्या में यात्री मिलते हैं, तो बस का संचालन जारी रखा जाएगा। मंगलवार को सुबह आठ बजे पहली बस दुधवा पार्क के लिए रवाना की गई। यह सीतापुर बाईपास और लखीमपुर खीरी बाईपास होते हुए दोपहर डेढ़ बजे दुधवा पहुंचेगी। वापसी में बस दुधवा नेशनल पार्क से दोपहर ढाई बजे चलेगी।

अतीक का किला ढहाने वाले आईपीएस करेंगे ऋषिकांत की जांच, सांसद डिंपल ने की सीबीआई जांच की मांग

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में माफिया अतीक अहमद के बेटे का मुठभेड़ के दौरान एनकाउंटर करने वाले आईपीएस रमित शर्मा निलंबित सीओ ऋषिकांत शुक्ला मामले की जांच करेंगे। वह वर्तमान में एडीजी जोन बरेली हैं। वर्दी की आड़ में 100 करोड़ से अधिक की संपत्ति अर्जित करने के आरोप में रविवार रात ऋषिकांत को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ विजिलेंस और विभागीय जांच शुरू हो गई है।

विभागीय जांच की अगुवाई रमित शर्मा को दी गई है। मूलरूप से हापुड़ के रहने वाले रमित 1999 बैच के आईपीएस हैं। वह प्रयागराज कमिश्नरी के पहले कमिश्नर भी रहे हैं। अधिवक्ता अखिलेश दुबे प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी ने ऋषिकांत के पास 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्तियां होने के आरोपों की जांच की थी। इसमें से करीब 92 करोड़ रुपये की 12 संपत्तियों के बारे में एसआईटी को साक्ष्य मिल गए थे।

ऋषिकांत के पैनकार्ड का इस्तेमाल हुआ था

साथ ही एसआईटी को तीन ऐसी संदिग्ध संपत्तियां भी मिलीं थीं, जिन्हें खरीदने में ऋषिकांत के पैनकार्ड का इस्तेमाल हुआ था। इन्हीं संपत्तियों की रिपोर्ट के आधार पर ही तत्कालीन सीपी अखिल कुमार ने 10 और 15 सितंबर को डीजीपी व सीएम को पत्र भेजे। इसके अनुसार ऋषिकांत कानपुर में वर्ष 1998 से 2006 तक तथा दोबारा दिसंबर 2006 से वर्ष 2009 तक नियुक्त रहे।

तीन अन्य स्थानों पर भी संपत्ति मिली हैं

अखिलेश दुबे से ऋषिकांत के करीबी संबंध हैं। एसआईटी की जांच व सत्यापन में ऋषिकांत शुक्ला, परिवारीजन, साथियों व साझेदारों के साथ 12 स्थानों पर करीब 92 करोड़ की संपत्ति मिली। तीन अन्य स्थानों पर भी संपत्ति मिली हैं। आर्यनगर में 11 दुकानें भी हैं] जो इनके पड़ोसी साथी देवेंद्र दुबे के नाम पर हैं। हालांकि यह भी ऋषिकांत की बेनामी संपत्ति है।

सांसद डिंपल यादव ने की सीबीआई जांच की मांग

मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव ने मामले में कहा कि जिनसे न्याय मिलना चाहिए, वहीं अब लूट और सत्ता संरक्षण का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा राज का मतलब भ्रष्टाचार है। सरकार ने ईमानदार अधिकारियों को दरकिनार करते हुए सत्ता से नजदीकी रखने वालों को तैनाती दे रखी है। मामले की सीबीआई जांच की मांग की। जरूरत पड़ी, तो संसद में भी वह इस बात को उठाएंगी।

मेरठ और बागपत की 248 औद्योगिक इकाइयों को नोटिस, लगाना होगा ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम

मेरठ, एजेंसी। एनसीआर में बढ़ रहे जल और वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) अलर्ट हो गया है। सीपीसीबी ने मेरठ के 110 और बागपत के 138 औद्योगिक इकाई संचालकों को नोटिस जारी किए हैं। सभी को निर्देश दिए हैं कि चिमनी में ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाना होगा। जिस उद्योग में पहले से सिस्टम लगा हुआ है, उसे नए मानक के अनुसार अपडेट करना होगा। इसके लिए 15 नवंबर तक का समय दिया गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सख्ती के साथ निर्देश जारी किए हैं कि सभी उद्योगों में लगी हुई चिमनी में ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम को नए प्रोटोकॉल से लगाना होगा। अभी उद्योगों से सिस्टम के माध्यम से जुटाया गया प्रदूषण का डाटा एजेंसी के माध्यम से केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजा जाता था।

अब बोर्ड ने निर्देश दिए हैं कि वायु एवं जल प्रदूषण का डाटा सीधे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजा जाएगा और उसकी 24 घंटे मॉनिटरिंग की जाएगी। इंडस्ट्री से कितना उत्प्रवाह निकल रहा है और किस कैटेगरी में उद्योग चल रहा है। इसके लिए क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा औद्योगिक इकाइयों को नोटिस जारी किया गया है।

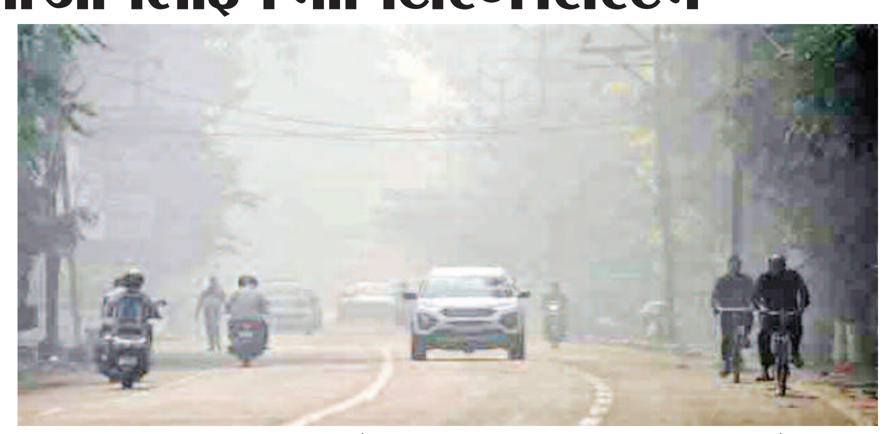

फूड प्रोसेसिंग इकाई में भी होगी निगरानी : फूड प्रोसेसिंग यूनिट टेक्सटाइल एवं मेटल गैलन वाली इकाइयों में भी ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के लिए कहा गया है। अभी तक केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लाल कैटेगरी की ही इंडस्ट्री में इसे लगाया गया था लेकिन इस बार नए नियम के साथ इनमें भी मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जाएगा और जो नए मानक तय किए गए हैं उनके अनुसार ही इन्हें अपडेट करना होगा।

24 घंटे होगी निगरानी : शुगर फैक्ट्री, पेपर मिल, मेटल इकाई, डिस्टलरी, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, टेक्सटाइल आदि में ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम को प्रोटोकॉल के साथ रजिस्टर्ड करना होगा। जिसकी मॉनिटरिंग केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड दिल्ली द्वारा 24 घंटे की जाएगी।

डेढ़ करोड़ के गांजा के साथ गाजीपुर के रहने वाले चाचा-भतीजा गिरफ्तार, तीसरा आरोपी बिहार का

बड़हलगंज, एजेंसी। नारकोटिक्स विभाग को बड़हलगंज क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गांजा के धंधे की सूचना मिली थी। मंगलवार को मुखबिर की सटीक जानकारी पर पुलिस के साथ नारकोटिक्स विभाग की टीम ने मिश्रौली टोला के किराए के मकान में छापा मारा। मकान अंदर से बंद था जिसे काफी मशक्कत के बाद खोला गया। गोरखपुर के बड़हलगंज थाना क्षेत्र के संसारपार गांव के मिश्रोली टोला में मंगलवार रात नारकोटिक्स विभाग और बड़हलगंज पुलिस ने डेढ़ करोड़ के गांजा के साथ चाचा-भतीजा समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान गाजीपुर निवासी सोनू तिवारी उर्फ अमन, उसके चाचा सुमन तिवारी और बिहार निवासी मिथिलेश तिवारी के रूप में हुई है। नारकोटिक्स विभाग को बड़हलगंज क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गांजा के धंधे की सूचना मिली थी। मंगलवार को मुखबिर की सटीक जानकारी पर पुलिस के साथ नारकोटिक्स विभाग की टीम ने मिश्रौली टोला के किराए के मकान में छापा मारा। मकान अंदर से बंद था जिसे काफी मशक्कत के बाद खोला गया।

अंदर मौजूद आरोपियों के कब्जे से दो क्विंटल 97 किलो गांजा बरामद हुआ। इसकी बाजार में कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है। नारकोटिक्स विभाग के इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जांच में पता चला कि सभी आरोपी लंबे समय से गांजा के धंधे में लिप्त थे। मकान गोरखपुर के अमित चौरसिया का है, जिसे उन्होंने आरोपियों को किराए पर दिया था। पुलिस और नारकोटिक्स विभाग की टीम आरोपियों से पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में सीओ गोला दरवेश कुमार, थाना प्रभारी चंद्रभान सिंह और नारकोटिक्स विभाग की टीम शामिल रही।

फैक्टरियों का गेट बंद कर देर रात तक चलती रही जांच, आवागमन रोका

अलीगढ़, एजेंसी। सासनी क्षेत्र में संचालित स्वीकेंस फैरो प्राइवेट लिमिटेड व रति का नगला के निकट संचालित महाकाल नाम की लोहा गलाने की फैक्टरियों पर मंगलवार की दोपहर से शुरू हुई सेंट्रल जीएसटी टीम की जांच देर रात तक चलती रही। दोनों फैक्टरियों के गेट बंद कर दिए गए हैं और लोगों की आवाजाही पर रोक दी गई।

लोहा कारोबार में जीएसटी चोरी और फर्जी बिलिंग से जुड़ी शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई है। बताया जा रहा है कि लखनऊ, मुरादाबाद और हाथरस सहित कई जिलों में लोहे से जुड़ी फर्मों के जरिये करोड़ों रुपये के फर्जी लेनदेन का खुलासा हुआ था।

पिछले दिनों की गई प्राथमिक जांच में हाथरस जनपद से भी तीन संदिग्ध फर्मों के नाम सामने आए थे, जिसके बाद सेंट्रल जीएसटी की टीम सक्रिय हुई। टीम ने फैक्टरी में उपलब्ध खाताबही, ई-वे बिल, टैक्स इनवॉयस और कंप्यूटर रिकॉर्ड की जांच की। इस दौरान उत्पादन व बिक्री से जुड़ी जानकारी की भी बारीकी से जांच की गई।

कार्रवाई की खबर मिलते ही शहर के अन्य लोहा कारोबारियों में खलबली मच गई। कई व्यापारियों ने अपने दस्तावेजों की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि जिले की कुछ और औद्योगिक इकाइयां भी सेंट्रल जीएसटी के रडार पर आ सकती हैं। खबर लिखे जाने तक कार्रवाई जारी थी। सेंट्रल जीएसटी के अधिकारियों ने छापे से संबंधित कोई भी जानकारी दिए जाने से इन्कार कर दिया। उपायुक्त राज्य कर आरके सिंह ने बताया कि जिन फैक्टरियों पर छापा मारा जा रहा है, वे दोनों ही सेंट्रल जीएसटी के अंतर्गत पंजीकृत हैं। प्रदेशभर में 341 करोड़ की हो चुकी है कर चोरी

कर चोरी के रैकेट का खुलासा होने के बाद सामने आया था कि गिरोह अब तक करीब 341 करोड़ रुपये की कर चोरी कर चुका है। इस संबंध में लखनऊ व मुरादाबाद में नौ लोगों पर मुकदमा भी दर्ज कराया जा चुका है। इस रैकेट ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में करीब 122 बोगस फर्म खोलीं थीं। इनमें हाथरस की भी तीन फर्में शामिल हैं। यह फर्में दो मोबाइल नंबरों पर खोली गई थीं।लोहा कारोबार के लिए खोली गई फर्मों के जरिये करीब 118 करोड़ रुपये का कागजी कारोबार सामने आया था। इस रैकेट के तार देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से जुड़े होने की बात सामने आई थी। लोहे से लदे कुछ ट्रकों को पकड़ने के बाद इस रैकेट का राज्य जीएसटी की ओर से खुलासा गया था, जबकि अधिकांश फर्म सेंट्रल जीएसटी में पंजीकृत हैं।

रैकेट चलाने वालों ने पंजीयन लेने के लिए पांच फीसदी कर वाले उत्पाद रेडीमेड गारमेंट्स के एचएसएन नंबरों को डाला था, ताकि पंजीयन अधिकारी आसानी से बिना किसी जांच के पंजीयन स्वीकार कर लें, जबकि लोहा व मेटल आदि पर 18 फीसदी कर है, लेकिन इनके कर की दरें अधिक होने के कारण पंजीयन के लिए अधिक गंभीरता से जांच की जाती है। इन कारोबार में कच्चा माल (कबाड़) आम लोगों के घरों से आता है, इसलिए इनपुट की जांच मुश्किल होती है।

कुत्तों का आतंक, 24 घंटे में 34 को काटा

अलीगढ़, एजेंसी। शहर व आसपास के इलाकों में कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। 24 घंटे में 34 लोगों को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया है। ये लोग एंटी रेबीज वैक्सीन (एआरवी) की पहली खुराक लगवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। इससे पहले इमरजेंसी में छह लोग पहली खुराक के लिए पहुंचे। शहरवासी इन-दिनों कुत्तों से परेशान हैं। छोटा नवीपुर निवासी अजय के 12 साल के बेटे अनिकेत पर रविवार की सुबह कुत्ते ने हमला कर दिया। उसके चेहरे व माथे पर चोट आई। अजय ने बताया कि गली में एक कुत्ता पागल हो गया है। स्थानीय लोग उसे घेरने का प्रयास कर रहे थे। आनन-फानन बच्चे जिला अस्पताल की इमरजेंसी लाया गया। इधर, गांव अहवरनपुर निवासी सुभाष (35), बालापट्टी निवासी धर्मेंद्र (37), नगला टीका निवासी शिवानी (29) व नगला रानी निवासी कौशल (30) पर अलग-अलग समय कुत्तों ने हमला किया। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में सोमवार की रात को छह पीड़ित एआरवी की पहली खुराक लगवाने पहुंचे।

सूर्यकुमार यादव ने एबी डिविलियर्स से मांगी मदद, करियर बचाने की लगाई गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स से अपने वनडे करियर को दोबारा संवारने में मदद मांगी है। 2023 विश्व कप के बाद से टीम इंडिया की 50 ओवर की टीम से बाहर चल रहे सूर्यकुमार ने माना कि वह वनडे और टी20 प्रारूपों के बीच सही संतुलन नहीं बना पाए।

उन्होंने खुलकर कहा कि वह डिविलियर्स से मिलना चाहते हैं ताकि समझ सकें कि उन्होंने दोनों फॉर्मेट्स में किस तरह निरंतरता बनाए रखी। सूर्यकुमार ने एबी से सीधे अपील की कि 'कृपया मुझसे संपर्क करें, मुझे आपकी मदद चाहिए।'

वनडे करियर में निराशाजनक प्रदर्शन: सूर्यकुमार यादव ने अब तक भारत के लिए 37 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 25.76 की औसत से 773 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार अर्धशतक हैं, लेकिन कोई शतक नहीं। उनका वनडे करियर, खासकर 2023 विश्व कप के बाद, संघर्ष भरा रहा है। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी पारी बेहद धीमी रही, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से चयनकर्ताओं ने उन्हें वनडे फॉर्मेट से बाहर कर दिया। हालांकि टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार की छवि अब भी एक धमाकेदार बल्लेबाज की है, वनडे में वह उस सफलता को दोहरा नहीं पाए हैं।

डिविलियर्स से सीखने की इच्छा: हाल ही में पत्रकार विमल कुमार से बातचीत में सूर्यकुमार ने खुलासा किया कि वह जल्द ही एबी डिविलियर्स से मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने वनडे और टी20 के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा।

मैंने वनडे को टी20 की तरह खेलने की कोशिश की, लेकिन वह तरीका काम नहीं आया।' सूर्यकुमार ने स्वीकार किया कि सीमित ओवरों के इन दोनों प्रारूपों में एक समान मानसिकता अपनाना उनकी सबसे बड़ी गलती रही। उन्होंने कहा कि अब वह आने वाले तीन-चार वर्षों में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं और इसके लिए डिविलियर्स से मार्गदर्शन की उम्मीद करते हैं।

डिविलियर्स - सीमित ओवरों के उस्ताद: एबी डिविलियर्स को आधुनिक युग के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने अपने करियर में 228 वनडे मैचों में 9577 रन बनाए, जिसमें 25 शतक शामिल हैं। वहीं 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 1672 रन जोड़े। डिविलियर्स की खासियत थी कि वह परिस्थितियों के अनुसार अपना खेल बदल लेते थे, कभी रक्षात्मक, तो कभी विस्फोटक। यही लचीलापन उन्हें दोनों फॉर्मेट में सफल बनाता था।

भविष्य की उम्मीदें: सूर्यकुमार यादव वर्तमान में भारतीय टी20 टीम के कप्तान हैं और आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों में व्यस्त हैं। हालांकि, उनका सपना है कि वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बनें और अपने करियर के अंतिम वर्षों में भारत के लिए अहम योगदान दें। अगर एबी डिविलियर्स से उन्हें सही सलाह मिलती है, तो संभव है कि सूर्यकुमार अपने वनडे करियर को नई दिशा दें जैसे उन्होंने टी20 क्रिकेट में किया।

सोशल मीडिया पर एबी को सीधी अपील

सूर्यकुमार ने बातचीत में मज़ाकिया लेकिन भावनात्मक लहजे में डिविलियर्स से सीधा संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, 'एबी, अगर आप यह सुन रहे हैं, तो कृपया मुझसे संपर्क करें। मेरे पास अब भी तीन-चार साल बचे हैं और मैं वनडे क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैं टी20 और वनडे दोनों में संतुलन नहीं बना पाया। कृपया मेरी मदद करें!' उनकी यह अपील क्रिकेट फैंस के बीच वायरल हो गई, और कई लोगों ने इसे 'दिल से निकली सच्ची गुहार' बताया।

बांग्लादेश क्रिकेट में बवाल:

निगार सुल्ताना 'जूनियर खिलाड़ियों को पीटती हैं' तेज गेंदबाज का कप्तान पर सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट में महिला टीम से बाहर चल रही तेज गेंदबाज जहांआरा आलम के आरोपों ने बवाल मचा दिया है। आलम ने कप्तान निगार सुल्ताना जोती पर जूनियर क्रिकेटरों को पीटने का आरोप लगाया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस आरोप को 'निराधार और दुर्भाग्यपूर्ण' बताते हुए खारिज कर दिया है। बांग्लादेश के अखबार 'कलेर कांथो' को दिए एक इंटरव्यू में आलम ने भारत और श्रीलंका में हाल ही में हुए महिला वनडे विश्व कप में टीम के सातवें स्थान पर रहने के बाद मौजूदा कप्तान, कुछ साथियों, कोचिंग स्टाफ और टीम प्रबंधन पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। आलम ने अखबार से कहा, 'यह कोई नई बात नहीं है। जोती जूनियर्स को खूब पीटती है। इस विश्व कप के दौरान भी, जूनियर्स ने मुझसे कहा था, नहीं, मैं ऐसा दोबारा नहीं करूंगी। मुझे फिर से थप्पड़ खाने पड़ेंगे।' मैंने कुछ लोगों से सुना, 'कल मेरी पिटाई हुई थी। दुबई दौरे के दौरान भी, उसने एक जूनियर को कमरे में बुलाकर थप्पड़ मारा था।'

टीम का माहौल टॉक्सिक

आलम ने इस साल की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात में 2024 टी20 विश्व कप के दौरान मानसिक स्वास्थ्य खराब होने के बाद दो महीने का ब्रेक लिया था। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद बांग्लादेश के लिए नहीं खेला है। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने बांग्लादेश के लिए 52 एकदिवसीय मैचों में 48 विकेट और 83 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 60 विकेट लिए हैं। उन्होंने ने दावा किया कि टीम का माहौल पिछले कुछ वर्षों में टॉक्सिक हो गया है। इससे उन्हें अपने मानसिक स्वास्थ्य की खातिर टीम से दूर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सबकी तकलीफ अलग-अलग

आलम ने कहा, 'मैं अकेली नहीं हूं, बांग्लादेश टीम में हर कोई कमोबेश इसका शिकार है। सबकी तकलीफ अलग-अलग है। यहां एक-दो लोगों को बेहतरीन सुविधाएं मिलती हैं और कुछ मामलों में सिर्फ एक ही व्यक्ति को मिलती हैं। 2021 में, मेरे जैसे सीनियर खिलाड़ियों और कुछ अन्य लोगों को पोस्ट-कोविड कैंप से बाहर करने का सिलसिला शुरू हुआ।

जोकोविच ने यूनान में टेनिस की वापसी पर जीत हासिल की, WTA फाइनल्स में गॉफ ने पाओलिनी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव में अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि जोकोविच टाईब्रेकर में जीत नहीं गए। दूसरे सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो बार ताबिलो की सर्विस तोड़ी और मैच 90 मिनट में अपने नाम कर दिया। नोवाक जोकोविच ने यूनान में 30 साल से भी अधिक समय के बाद किसी शीर्ष स्तर के टेनिस टूर्नामेंट की वापसी पर शुरू में संघर्ष करने के बाद सीधे सेटों में जीत हासिल करके हेलेनिक चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यूनान में 1994 के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे एलीट स्तर के टूर्नामेंट के पहले दौर में चिली के एलेजांद्रो ताबिलो को 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव में अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि जोकोविच टाईब्रेकर में जीत नहीं गए। दूसरे सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो बार ताबिलो की सर्विस तोड़ी और मैच 90 मिनट में अपने नाम कर दिया।

इस वर्ष की शुरुआत में अपने परिवार के साथ एथेंस में बसने वाले जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''एथेंस में खेलना वास्तव में घर जैसा लगता है। यहां के लोग मेरे साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार करते हैं जिससे वास्तव में मेरे दिल को छू लिया।

गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में उम्मीद जीवंत रखी

गत चैंपियन कोको गॉफ ने जैस्मीन पाओलिनी पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। गॉफ को टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले में जेसिका पेगुला से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। उनका अगला मुकाबला शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका से होगा। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजों बाबर आजम, सैम अयूब, और सलमान आगा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। दूसरी ओर भारत के अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। रैंकिंग में वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के कई खिलाड़ियों ने भी शानदार सुधार किया है।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन: पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए हाल की टी20 सीरीज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यादगार रही। बाबर आज़म नौ पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सैम अयूब, जो अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, 10 पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर आ गए हैं।

वहीं, सलमान आगा ने भी 10 पायदान की बढ़त के साथ 54वां स्थान हासिल किया है। इन तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती दी, जिससे टीम को टी20 फॉर्मेट में नई ऊर्जा मिली है।

भारतीय टीम की निरंतर सफलता: टीम इंडिया के लिए साल 2025 अब तक बेहद सफल रहा है। भारतीय टीम ने अपनी पांच में से चार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलाएँ जीती हैं, जिनमें सबसे ताज़ी जीत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से मिली। अभिषेक शर्मा, जिन्होंने हाल के महीनों में जबरदस्त फॉर्म दिखाया है, बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर कायम हैं। वहीं, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जिससे भारत की टी20 टीम को एक नई मजबूती मिली है।

अन्य देशों के खिलाड़ियों की बढ़त वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के युवा बल्लेबाज़ तंजीद हसन ने 20 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है।

महिला विश्व कप:

महिला विश्व कप जीतने के बाद स्मृति मंधाना को लगा झटका, आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान गंवाया

दुबई, एजेंसी। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नई महिला एक दिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई है लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स 9 स्थान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गई। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट नवीनतम सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में शतक जड़ने के अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ट ने मंधाना को पीछे छोड़ दिया। वोल्वार्ट ने टूर्नामेंट में 571 रन बनाए, जो किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है। इससे वह अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 814 हासिल करने में सफल रही।

भारत ने रविवार को खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। नवी मुंबई में सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक जड़कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली रोड्रिग्स ने अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में प्रवेश किया, जबकि फोबे लिचफील्ड ने उसी मैच में शतक की बदौलत 13 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग (637) हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी सातवें स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के साथ संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। डिवाइन पहले ही वनडे से संन्यास लेने की घोषणा कर चुकी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर भी चार स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गयीं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की मारिजाने काप अब सोफी एक्लेस्टोन को शीर्ष स्थान से हटाने के करीब पहुंच गई हैं। उनके अब 712 रेटिंग अंक हो गए हैं। भारत की दीप्ति शर्मा विश्व कप फाइनल में 58 रन बनाने के अलावा पांच विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑलराउंडर की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

गर्व का अनुभव कर रहा हूं

नाइटहुड की उपाधि मिलने पर बोले डेविड बेकहम

बर्कशायर, एजेंसी। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम को खेल और समाजसेवा के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए मंगलवार को विंडसर कैसल में नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया गया। डेविड बेकहम ने सम्मानित होने के बाद कहा, मुझे अपने देश से प्यार है। सम्मान पाकर मैं गर्व का अनुभव कर रहा हूं।

पूर्व फुटबॉलर ने कहा, 'मेरे परिवार के लिए राजशाही बेहद महत्वपूर्ण है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे दुनिया भर में यात्राएं करने का मौका मिला है। मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझसे सिर्फ हमारी राजशाही के बारे में बात करना चाहते हैं। यह मेरे लिए गर्व का पल होता है। नाइटहुड की उपाधि एक प्रतिष्ठित सम्मान है, जो किसी व्यक्ति को उसके असाधारण कार्यों और समाज में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दी जाती है। यह उपाधि यूनाइटेड किंगडम के सम्राट द्वारा दी जाती है। उपाधि के बाद पुरुष को

'सर' कहकर संबोधित किया जाता है। बेकहम का नाम दुनिया के मशहूर, लोकप्रिय और सफलतम फुटबॉलर के रूप में लिया जाता है।

लेकिन, खेल के अलावा भी बेकहम का कद बहुत बड़ा है। 2012 में लंदन को ओलंपिक की मेजबानी दिलाने में उनकी बड़ी भूमिका रही थी, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके बड़े कद का एक ये भी कारण है। बेकहम 2005 से यूनिसेफ से जुड़े हुए हैं और दुनियाभर में सामाजिक कार्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम में अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

2024 में, बेकहम किंग्स फाउंडेशन के राजदूत बन गए, और किंग चार्ल्स की शिक्षा और युवा कार्यक्रमों का समर्थन किया, जो युवाओं में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। व्यापार जगत में भी बेकहम सफल हैं। वह अपने पूर्व साथी गैरी नेविल के साथ लीग टू क्लब सैलफोर्ड सिटी के सह-मालिक भी हैं, और मेजर लीग सॉकर टीम इंटर मियामी के सह-मालिक भी हैं। बेकहम के फुटबॉल करियर पर नजर डालें तो इंग्लैंड के लिए 50 साल के बेकहम ने 1996 से 2009 के बीच 115 मैचों में 17 गोल किए। प्रोफेशनल करियर में बेकहम मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड, एसी मिलान और पेरिस सेंट-जर्मन के लिए खेले। कुल 523 मैचों में 97 गोल किए।

फिडे वर्ल्ड कप:

'चेस के मेसी' 12 वर्षीय ओरो फाउस्टिनो का बड़ा कारनामा, विदित गुजराती को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली, एजेंसी। 'चेस के मेसी' नाम से मशहूर फाउस्टिनो ने एक बार फिर अपने असाधारण खेल से सबको चौंका दिया। पहले दौर में उन्होंने क्रोएशिया के आंटे ब्रकिक को हराकर सनसनी फैला दी थी। अब उन्होंने दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को ड्रॉ पर रोक दिया। फिडे विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को 12 वर्षीय अर्जेंटीनी प्रतिभा ओरो फाउस्टिनो ने ड्रॉ पर रोक दिया। 'चेस के मेसी' नाम से मशहूर फाउस्टिनो ने एक बार फिर अपने असाधारण खेल से सबको चौंका दिया। पहले दौर में उन्होंने क्रोएशिया के आंटे ब्रकिक को हराकर सनसनी फैला दी थी।

फाउस्टिनो ने दी कड़ी टक्कर

मंगलवार को खेले गए मुकाबले में फाउस्टिनो ने काले मोहरों से बर्लिन डिफेंस अपनाई। विदित ने मिडिल गेम में थोड़ी बढ़त पाने की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने सटीक चालों से स्थिति बराबर रखी। आखिर में विदित ने जोखिम से बचते हुए तीन बार पोजिशन दोहराई और 28 चालों में खेल ड्रॉ घोषित हुआ। अब बुधवार को खेले जाने वाले रिटर्न गेम में विदित काले मोहरों से खेलेंगे। अगर वह मुकाबला भी बराबरी पर छूटा, तो नतीजा तय करने के लिए टाई-ब्रेक (कम समय वाले खेल) खेले जाएंगे।

मार्नस लाबुशेन की एशेज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी, पहले टेस्ट के लिए इन खिलाड़ियों को मौका

गोल्ड कोस्ट, एजेंसी। लगातार लचर प्रदर्शन के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले मार्नस लाबुशेन की एशेज श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने इस अनुभवी बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बुधवार को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया। लाबुशेन खराब फॉर्म के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस बीच उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह वापसी करने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। उन्हें मैट रेनशॉ और सैम कोंस्टास पर तरजीह दी गई है, हालांकि अभी यह तय नहीं है कि उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। वेदरल्ड पिछले साल शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में 50.33 की औसत से 906 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ शतक भी लगाया था। नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में स्टीव स्मिथ श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की अगुआई करेंगे। कमिंस अभी भी पीठ के निचले हिस्से की समस्या से उबर रहे हैं। स्कॉट बोलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के साथ शामिल होने की उम्मीद है, जबकि तेज गेंदबाजी विकल्प के रूप में ब्रेंडन डोगेट और सीन एबॉट भी टीम में हैं। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर और कैमरन ग्रीन को भी टीम में शामिल किया गया है।

टीम इस प्रकार है:

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।